www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

मौसम
अधिकतम तापमान 39.c
30.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 101.700g
चांदी 106.000kg

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

2 खतरनाक पड़ोसी है बांग्लादेश, चीन-पाकिस्तान के साथ बढ़ती नजदीकी भारत के लिए चुनौती

पूर्व अमेरिकी एनएसए बोले - ट्रंप के टैरिफ का उल्टा असर 06

वर्ष :17 | अंक :130 | प्रयागराज, रविवार, 10 अगस्त, 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के नंद नगरी में व्यक्ति की गोली मारकर हत्या, एक गिरफ्तार

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के नंद नगरी इलाके में एक व्यक्ति की कथित तौर एक पुराने विवाद को लेकर गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार और शनिवार की दरम्यानी रात हुई इस हत्या के आरोप में 20 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार युवक के पास से एक देसी पिस्तौल बरामद की गई है। अधिकारी ने कहा, गोलीबारी की घटना की सूचना नंद नगरी थाने को मिली थी। सूचना मिलने के बाद एक टीम मौके पर पहुंची और पाया कि कपिल (28) नामक एक व्यक्ति को गोली लगी है। पुलिस ने बताया कि कपिल को जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में एक मामला दर्ज कर लिया गया है और एक टीम ने घटनास्थल की जांच की, जबकि फॉरेंसिक टीम ने नमूने एकत्रित किए।

उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में चौकीदार का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला

अमेठी जिले के गौरीगंज थाना क्षेत्र में सड़क किनारे एक चौकीदार का शव संदिग्ध परिस्थितियों में शनिवार को मिला। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान गांव रोहसी पासिन का पुरवा निवासी अमर नाथ पासी (56) के रूप में हुई है जिसका शव आरटीओ कार्यालय के निकट सकरावां गांव के पास संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क किनारे मिला। दलित वर्ग से आने वाले अमरनाथ गौरीगंज थाने में चौकीदार थे, शुक्रवार रात करीब नौ बजे घर से मोटरसाइकिल पर सवार होकर ड्यूटी के लिए निकले थे। प्रभारी निरीक्षक श्याम नारायण पांडेय ने बताया कि संभवत: किसी अज्ञात वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

दिल्ली में बड़ा हादसा : बारिश के चलते गिरी 100 फुट लंबी दीवार, दो बच्चियों समेत 8 लोगों की मौत

300 फ्लाइट्स लेट, हिमाचल के कुल्लू में बादल फटा, चंडीगढ़-मनाली हाईवे बंद

बड़ा हादसा

मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड की टीम के इंचार्ज सफदरजंग स्टेशन के ऑफिसर मनोज महलावत ने बताया कि लगभग 100 फुट लंबी दीवार है, जो समाधि स्थल पर बनी थी. इसकी चपेट में कई झुग्गियां आई हैं और यहां से लोगों को निकाल करके हॉस्पिटल में भेजा गया है. बड़े हादसे की जानकारी मिलने के बाद डीएम साउथ ईस्ट डॉक्टर सरवन बगड़िया भी टीम के साथ पहुंच गए. मौके पर की टीम भी पहुंची.

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शनिवार सुबह भारी बारिश के बीच जैतपुर में मोहन बाबा मंदिर के पास दीवार गिरने से 8 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। इससे पहले, दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने बताया था कि हादसे में आठ लोगों की मौत हुई है। हालांकि, पुलिस ने बाद में बताया कि सात लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है तथा एक घायल व्यक्ति का इलाज जारी है। डीएफएस अधिकारियों के मुताबिक, अग्निशमन विभाग को शनिवार सुबह नौ बजकर 16 मिनट पर घटना के बारे में सूचना मिली। पुलिस दल के साथ दमकल की तीन गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गईं। राष्ट्रीय राजधानी में रात भर भारी बारिश हुई और भारतीय मौसम विभाग ने शनिवार के लिए रेड अलर्ट जारी किया। दिल्ली-एनसीआर के कई हिस्सों में बारिश शुक्रवार देर रात 11 बजे शुरू हुई थी। पुलिस ने बताया कि पीसीआर को सुबह नौ बजकर 13 मिनट पर दीवार ढहने के बारे में पहली कॉल मिली, जिसमें फोन करने वाले ने कहा, बड़ी दीवार गिर गई है और मलबे के नीचे चार से पांच लोग फंसे हुए हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलते ही जैतपुर थाना प्रभारी (एसएचओ) सभी उपलब्ध कर्मियों के साथ रस्सियां और अन्य बचाव उपकरण लेकर तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे।

लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर ओवरब्रिज धंसा

अयोध्या में लखनऊ हाईवे पर बारिश की वजह से ओवरब्रिज धंस गया। ओवरब्रिज 6 महीने पहले 150 करोड़ रुपए की लागत से ही बना था। एनएचएआई के जूनियर इंजीनियर ने बताया कि ओवरब्रिज की मरम्मत कराई गई है। पानी की निकासी की व्यवस्था न होने से यह स्थिति बनी। अब ड्रेनेज सिस्टम को दुरुस्त किया जाएगा, ताकि भविष्य में ऐसा न हो।

मृतकों की हुई पहचान

मृतकों में तीन पुरुष, दो महिल और दो लड़कियां शामिल हैं. सभी की पहचान कर ली गई है. मृतकों के नाम रुबीना (25 वर्ष), डॉली (25 वर्ष), रुखसाना (6 वर्ष) और हसीना (7 वर्ष) शामिल हैं. वहीं, एक घायल हिशबुल है जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है.

राखियों से भरी कलाई, बच्चों संग मस्ती...

पीएम मोदी ने मनाया रक्षाबंधन का पर्व

2025 आज पूरे देश में रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। नई दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास पर स्कूली बच्चियों ने पीएम मोदी की कलाई पर राखी बांधी। इस दौरान पीएम मोदी बच्चियों के साथ खेलते दिखे। रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। रक्षाबंधन पर पीएम मोदी की कई तस्वीरें भी सामने आई हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली। आज पूरे देश में रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। इसी बीच नई दिल्ली के सात लोक कल्याण मार्ग से भी दिल को खुश करने वाली कुछ तस्वीरें सामने आई हैं। जी हां, प्रधानमंत्री आवास में कई स्कूली बच्चियों ने पीएम मोदी की कलाई पर राखी बांधी। इस दौरान पीएम मोदी भी बच्चियों के साथ खेलते दिखाई दिए।रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी देशवासियों को इस पावन पर्व की शुभकामनाएं भी दी हैं।रक्षाबंधन के अवसर पर पीएम आवास में नन्हीं परियों की भीड़ देखी जा सकती है। इस शुभ अवसर पर पीएम मोदी ने न सिर्फ बच्चियों से राखी बंधवाई बल्कि उनके साथ खूब मस्ती भी की। बच्चों के चेहरे की हंसी बता रही है कि पीएम मोदी की कंपनी उन्हें भी काफी पसंद आई।देशभर में आज रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जा रहा है। उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में महाकाल को राखी बांधी गई। अमर पुजारी के परिवार की महिलाओं द्वारा तैयार की गई खास राखी उन्हें अर्पित की गई है।महाकाल को जो राखी बांधी गई है उसमें मखमल का कपड़ा, रेशमी धागा और मोती का उपयोग हुआ है। राखी पर भगवान गणेश जी विराजित हैं। इसके अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय सड़क एंव परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने भी राखी की शुभकामनाएं दी थी।

पीएम मोदी समेत केंद्रीय मंत्रियों ने किया पोस्ट

बता दें कि पीएम मोदी ने आज सुबह ही रक्षाबंधन की बधाई दी थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा था कि सभी देशवासियों को रक्षाबंधन की अनेकानेक शुभकामनाएं।

सीएम योगी ने दी बधाई

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी हैं।

पुलिस ने बिना उकसावे के बदसलूकी की

चूड़ियां तोड़ दीं, नबान्न मार्च में पीड़िता की मां का आरोप

कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में महिला के साथ हुए दुष्कर्म के बाद हत्या के एक साल पूरे होने पर एक मार्च बुलाया गया था, लेकिन अब पीड़िता की मां का आरोप है कि इस मार्च को रोकने के लिए लाठीचार्ज किया गया.

भाजपा नेता ने जताया विरोध

विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता अग्निमित्रा पॉल और भाजपा के अन्य विधायकों के साथ पार्क स्ट्रीट, जवाहर लाल नेहरू रोड क्रॉसिंग पर धरना दिया. आरोप है कि पुलिस कार्रवाई में अधिकारी और भाजपा के अन्य नेताओं सहित 100 से अधिक प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं. अधिकारी ने यह भी दावा किया कि लाठीचार्ज के दौरान आरजी कर पीड़िता के माता-पिता घायल हो गए. मार्ग पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे, हालांकि हावड़ा जिले के सांतरागाछी में प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ झड़प हुई.

एजेंसी

कोलकाता के आरजी कर अस्पताल की पीड़िता की मां ने शनिवार (09 अगस्त, 2025) को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल राज्य सचिवालय नबान्न तक मार्च में शामिल होने के लिए जाते समय महिला पुलिसकर्मियों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया. यह मार्च सरकारी अस्पताल में उनकी बेटी की कथित दुष्कर्म के बाद हत्या के एक साल पूरे होने पर बुलाया गया था.पीड़िता की मां ने दावा किया कि हाथापाई में उनका शंख (पारंपरिक शंख चूड़ी) टूट गया और उनके सिर में चोट पहुंची. उन्होंने कहा, वे हमें इस तरह क्यों रोक रहे हैं? हम तो बस नबान्न पहुंचना चाहते हैं और अपनी बेटी के लिए न्याय मांगना चाहते हैं.

शांतिपूर्ण रैली के लिए अदालत की अनुमति

रैली में शामिल लोगों ने महिलाओं की सुरक्षा में विफल रहने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की. मृतक के पिता ने यह भी आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण रैली के लिए अदालत की अनुमति के बावजूद पुलिस ने परिवार को मार्च में शामिल होने के लिए डोरीना क्रॉसिंग तक पहुंचने से रोकने की कोशिश की.रानी रश्मोनी रोड सभा स्थल से आगे न बढ़ने की पुलिस की चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए विद्यासागर सेतु की ओर बढ़ने के प्रयास में प्रदर्शनकारियों ने अवरोधक को पार करने की कोशिश की, जिस कारण पुलिस ने मध्य कोलकाता में पार्क स्ट्रीट चौराहे पर प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया.

धरना के दौरान पीड़िता की मां हुई बीमार

पीड़िता की मां रेसकोर्स के बगल वाले बैरिकेड के निकट धरना देने के दौरान बीमार हो गईं। कथित तौर पर, जब उन्होंने पुलिस से पानी मांगा तो उन्होंने नहीं दिया। बाद में, वहां मौजूद अन्य प्रदर्शनकारियों ने पानी लाया। लेकिन पानी देने और चेहरे पर पानी डालने के बाद भी पीड़िता की मां की तबियत में कोई सुधार नहीं हुआ

आंध्र प्रदेश में भीषण हादसा: लॉरी से टकराई वैन

एक ही परिवार के 3 लोगों समेत पांच की मौत

एजेंसी

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश के प्रकाशम और पूर्वी गोदावरी जिलों में शनिवार को हुए दो सड़क हादसों में एक ही परिवार के तीन सदस्यों सहित पाँच लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि एक ही परिवार के दस सदस्य पालनाडु जिले के कोटा गणेशुनिपाडु गाँव से वैन में सवार होकर तिरुमाला मंदिर जा रहे थे। परिवहन मंत्री एम. रामप्रसाद रेड्डी ने सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत पर गहरा दुःख व्यक्त किया।

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के 5 फाइटर जेट हुए थे तबाह

वायुसेना प्रमुख का बड़ा खुलासा, कहा- गेमचेंजर साबित हुआ एस400

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह शनिनार को बेंगलुरु में एक कार्यक्रम के दौरान बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के पांच फाइटर जेट तबाह हुए थे। उन्होंने कहा कि पांच फाइटर जेट के साथ-साथ एक अहअउर (एयरबोर्न वॉर्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम) भी मार गिराया गया था। एयर चीफ मार्शल ने इसका क्रेडिट एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 को दिया है। उन्होंने बताया कि एस-400 ने पाकिस्तान के -16 फाइटर जेट को जकोकाबाद एयरबेस पर मार गिराया, जो वहां पार्क में थे। एविएशन के इतिहास में पहली बार किसी मिसाइल ने आसमान में 300 किलोमीटर दूर किसी विमान (दुश्मन के विमान को) मार गिराया। बेंगलुरु में आयोजित 16वें वार्षिक एयर चीफ मार्शल एलएम कात्रे व्याख्यान में बोलते हुए एपी सिंह ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ इस जीत में रूसी र-400 एयर डिफेंस सिस्टम का अहम योगदान रहा।

एयरफोर्स चीफ की स्पीच, पॉइंट में...

- सेना को खुली छूट दी गई थी: सफलता का एक प्रमुख कारण राजनीतिक इच्छाशक्ति का होना था। हमें बहुत स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। हमें खुली छूट थी। हमने तय किया कि कितना आगे बढ़ना है। हमें योजना बनाने और उसे लागू करने की पूरी आजादी थी। तीनों सेनाओं के बीच कोऑर्डिनेशन था।
- 90 घंटे की जंग में पीछे हटा: यह एक उच्च तकनीक वाला युद्ध था। 80 से 90 घंटे के युद्ध में हम इतना नुकसान कर पाए कि उन्हें (पाकिस्तान) साफ पता चल गया था कि अगर वे इसे जारी रखेंगे तो उन्हें इसकी और भी अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी इसलिए वे आगे आए और हमारे को संदेश भेजा कि वे बात करना चाहते हैं।

जगदीप धनखड़ 'लापता', मुझे उनकी चिंता :कपिल सिब्बल

कहा- अमित शाह पूर्व उपराष्ट्रपति की जानकारी दें, नहीं तो हम कोर्ट जाएंगे

राज्यसभा में इस्तीफे पर चर्चा की मांग खारिज

7 अगस्त को राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने धनखड़ के अप्रत्याशित इस्तीफे पर चर्चा के लिए दी गई स्थगन सूचना को खारिज कर दिया। सांसद अब्दुल वहाब ने इस मुद्दे पर नियम 267 के तहत चर्चा की मांग की थी।

एजेंसी

नई दिल्ली , राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने शनिवार को पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक लापता होने पर चिंता जताई। उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से इस मामले में बयान देने की मांग की। मुझे उनकी चिंता हो रही है। इस्तीफे के बाद से हमें उनकी कोई जानकारी नहीं है। पहले मैंने 'लापता लेडीज' के बारे में सुना था, लेकिन पहली बार है जब 'लापता' उपराष्ट्रपति के बारे में सुन रहा हूं।

उपराष्ट्रपति के इस्तीफे की थ्योरी

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा था, '21 जुलाई को दोपहर 12:30 बजे जगदीप धनखड़ ने राज्यसभा की कार्य मंत्रणा समिति की अध्यक्षता की। इस बैठक में सदन के नेता जेपी नड्डा और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू समेत ज्यादातर सदस्य मौजूद थे।

बेंगलुरु में देश का दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम बनेगा

80,000 दर्शकों की क्षमता होगी;आरसीबी भगदड़ केस के बाद फैसला

महाराजा ट्रॉफी 2025 को मैसूर शिफ्ट किया गया 11 अगस्त से शुरू होने वाली घरेलू टी-20 लीग महाराजा ट्रॉफी को मैसूर शिफ्ट कर दिया गया। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ को पुलिस से मंजूरी न मिलने के कारण महाराजा ट्रॉफी का आयोजन मैसूर में कराना पड़ रहा हैं।

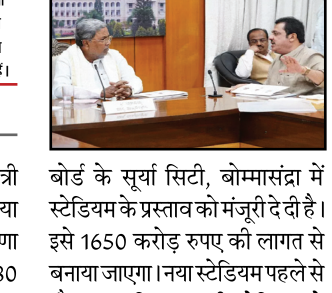

एजेंसी

बेंगलुरु , कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बेंगलुरु के पास नया क्रिकेट स्टेडियम बनवाने की घोषणा की है। इस स्टेडियम में एक साथ 80 हजार दर्शक मैच देख सकेंगे। यह दर्शक क्षमता के हिसाब से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम होगा। सिद्धारमैया ने कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड के सूर्या सिटी, बोम्मासंद्रा में स्टेडियम के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसे 1650 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा। नया स्टेडियम पहले से मौजूद एम चिन्नास्वामी स्टेडियम से 22 किलोमीटर दूर है। इसे बनाने का फैसला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विक्ट्री सेलिब्रेशन में मची भगदड़ के बाद लिया गया है।

एंटी-ड्रोन

केजरीवाल बोले-जितना भी बड़ा नेता हो, नशे से बनी प्रॉपर्टी होगी जब्त; कोई बख्शा नहीं जाएगा

एंटी-ड्रोन सिस्टम वाला पहला राज्य बना पंजाब

एजेंसी

पंजाब, पंजाब में ड्रग्स और हथियारों की तस्करी पर पूरी तरह नकेल कसने के लिए आज आप सरकार ने 3 एंटी ड्रोन सिस्टम पंजाब पुलिस के सुपुर्द कर दिए। मॉडर्न एंटी-ड्रोन सिस्टम से लैस होने वाला पंजाब पहला राज्य बन गया है। इसका औपचारिक उद्घाटन तरनतारन में आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान ने किया। संबोधन करते हुए केजरीवाल बोले- पंजाब में कुछ समय पहले तक नशा सबसे बड़ी समस्या थी। पिछली सरकारों ने तस्करों से मिलीभगत कर पंजाब के घर-घर में नशा पहुंचा दिया। हालत यह थी कि लगता था, पंजाब पूरी तरह बरबाद हो गया है। लेकिन हमारी सरकार आने के बाद हमने नशे के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया। चाहे वह कितना भी बड़ा मंत्री हो, अफसर हो या तस्कर—हमने किसी को नहीं बख्शा। सबको पकड़-पकड़ कर जेल में डाला है। उन्होंने कहा- नशा बेचकर जो पैसे से आलीशान मकान बनाए गए थे, उन्हें तोड़ा जा रहा है। यह काला धन जब्त करके बच्चों की शिक्षा और लोगों के इलाज पर खर्च किया जा रहा है। पंजाब में जो नशा बिकता है, उसका बड़ा हिस्सा पाकिस्तान से आता है और वह ड्रोन के जरिए लाया जाता है। ड्रोन सीमा पार से गिराए जाते हैं, और फिर नशा पंजाब तक पहुंचता है। आज पंजाब सरकार ने इस पर नकेल कसने के लिए एंटी-ड्रोन सिस्टम तैनात किया है। अब अगर कोई ड्रोन पाकिस्तान से आएगा, तो उसे तुरंत गिरा दिया जाएगा। इससे नशा पंजाब में प्रवेश ही नहीं कर पाएगा। आज हम 3 एंटी-ड्रोन सिस्टम लॉन्च कर रहे हैं। कुल 9 सिस्टम का ऑर्डर दिया गया है, जिनमें से 6 और जल्द आ जाएंगे। अगर जरूरत पड़ी, तो और भी खरीदे जाएंगे। पंजाब आज देश का एकमात्र राज्य है, जिसके पास अपना एंटी-ड्रोन सिस्टम है। पुरानी सरकारों ने पंजाब को नशे की आग में झोंक दिया था, लेकिन आज का पंजाब उससे लड़ रहा है, और यह जंग हम जीतकर रहेंगे। सीएम भगवंत मान ने संबोधन करते हुए कहा कि 2009 में पंजाब में नशे के आदी बच्चों की संख्या लगभग 1,000 थी। लेकिन 2015 तक यह संख्या बढ़कर लगभग 20 हजार हो गई। यह किसकी देन है? उन्होंने बिना नाम लिए बिक्रम मजीठिया पर निशाना साधते हुए कहा कि जब मंत्री अपनी गाड़ियों में चिट्टा लेकर चलेंगे, जब तस्करों को जिगरी यार कहकर घर में बैठाया जाएगा, तो हालात कैसे सुधर सकते हैं? जब माली ही बेईमान हो जाए तो बाग को कौन बचाएगा? लेकिन अब हालात बदल चुके हैं।

पंजाब में ड्रोन के माध्यम से होने वाली नशीली दवाओं और हथियारों की तस्करी से निपटने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बाज अंख नामक एक ड्रोन-रोधी प्रणाली शुरू की है. यह प्रणाली सीमा सुरक्षा बल के साथ मिलकर काम करेगी और सीमावर्ती इलाकों में तैनात की जाएगी.

बिहार में राजग से गठबंधन नहीं हुआ तो अलग मोर्चा बनाकर चुनाव लड़ेंगे: राजभर

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार के पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने शुक्रवार को कहा कि बिहार में उनका राजग से गठबंधन नहीं होता है तो वह मोर्चा बनाकर अवश्य चुनाव लड़ेंगे, इससे उनके मंत्री पद पर कोई खतरा नहीं है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें मंत्री पद का लालच नहीं है। राजभर ने शुक्रवार को जिले के नवानगर में सुभासपा की एक समीक्षा बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि बिहार में राजग से अलग चुनाव लड़ने पर उनके मंत्री पद पर कोई खतरा नहीं है। राजभर ने एक सवाल के जवाब में कहा, हम कहां कह रहे हैं कि बिहार में गठबंधन नहीं करेंगे, हमारी तो पहली कोशिश यही है कि हम लोग राजग गठबंधन से मिलकर चुनाव लड़ें। उन्होंने कहा, 2025 में बिहार में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी का यदि गठबंधन नहीं होता है तो फिर मोर्चा बनाकर अवश्य चुनाव लड़ेंगे। जब उनसे बिहार में अलग चुनाव लड़ने पर राजग से रिश्तों को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें मंत्री पद का लालच नहीं है।

राजभर ने एक सवाल के जवाब में कहा, हम कहां कह रहे हैं कि बिहार में गठबंधन नहीं करेंगे, हमारी तो पहली कोशिश यही है कि हम लोग राजग गठबंधन से मिलकर चुनाव लड़ें।

सम्पादकीय

बदलाव की तेज लहर लाई एआइ, भारत के लिए अवसर और चुनौतियां

एआइ को लेकर आम धारणा है कि यह नौकरियां छीन लेगी पर सच्चाई यह है कि यह नई नौकरियां भी पैदा कर रही है। हालांकि जल्द ही दोहराए जाने वाले और नियमित काम एआइ से स्वतः ही हो जाएंगे लेकिन इसके चलते कई नए पेशे भी उभरे हैं-जैसे एआइ ट्रेनर मशीन लर्निंग डेवलपर डाटा एनोटेटर एआइ एथिसिस्ट प्राम्प्ट इंजीनियर आदि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-एआइ हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। यह हमारे जीने, काम करने, सीखने और सोचने के तरीके को तेजी से बदल रही है। हमारे स्मार्टफोन में वायस असिस्टेंट से लेकर कंपनियों के निर्णयों तक, एआइ हर जगह मौजूद है। जैसे-जैसे भारत एआइ-संचालित अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है, यह जरूरी हो गया है कि हम मशीनी कौशल यानी एआइ को समझें। आज एआइ की शक्ति कृषि से लेकर स्वास्थ्य, शिक्षा से लेकर वित्त तक हर क्षेत्र में बदलाव ला रही है। भारत में किसान अब एआइ आधारित सेंसर और ड्रोन के जरिए फसल की निगरानी और सिंचाई का प्रबंधन कर रहे हैं, जिससे उत्पादन बढ़ा है और संसाधनों की बबार्दी घटी है। स्वास्थ्य क्षेत्र में एआइ अब कैंसर और मधुमेह जैसी बीमारियों की पहचान पहले से कहीं अधिक तेज और सटीक तरीके से कर पा रही है। भारतीय स्टार्टअप दूरदराज इलाकों में एआइ की मदद से एक्स-रे और एमआरआइ की व्याख्या कर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ा रहे हैं। फाइनेंस, रिटेल, परिवहन, मैन्यूफैक्चरिंग-हर क्षेत्र में एआइ आधारित बदलाव की लहर चल रही है। नैसकाम के अनुसार यदि एआइ को रणनीतिक रूप से अपनाया गया तो वह 2025 तक भारत की जीडीपी में 500 अरब डालर का योगदान दे सकती है। एआइ को लेकर आम धारणा है कि यह नौकरियां छीन लेगी, पर सच्चाई यह है कि यह नई नौकरियां भी पैदा कर रही है। हालांकि जल्द ही दोहराए जाने वाले और नियमित काम एआइ से स्वतः ही हो जाएंगे, लेकिन इसके चलते कई नए पेशे भी उभरे हैं-जैसे एआइ ट्रेनर, मशीन लर्निंग डेवलपर, डाटा एनोटेटर, एआइ एथिसिस्ट, प्राम्प्ट इंजीनियर आदि। भारत की युवा, तकनीकी रूप से दक्ष जनसंख्या इसे अपनाने के लिए उपयुक्त स्थिति में है। सरकार द्वारा शुरू किया गया "इंडिया एआइ" प्रोग्राम और शिक्षा एवं उद्योग के साथ साझेदारी देश की एआइ क्षमता निर्माण में मदद कर रही है। देशभर में डाटा साइंस, मशीन लर्निंग और एआइ एथिक्स से संबंधित कोर्स तेजी से बढ़ रहे हैं। बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे जैसे शहर एआइ केंद्रों के रूप में उभर रहे हैं, लेकिन हमें इसे केवल आशावाद का चश्मा पहन कर ही नहीं देखना चाहिए। एआइ तमाम मौजूदा नौकरियों को खत्म करेगी-विशेष रूप से बीपीओ, कस्टमर सर्विस, बेसिक कोडिंग और मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में।

आज का विचार

तेरे गिरने में, तेरी हार नहीं,
तू इन्सान है, अवतार नहीं..
गिर, उठ, चल, दौड, फिर भाग
क्योंकि,
जीत संक्षिप्त है, इसका कोई
सार नहीं..

भारत संवाद

मेष राशि: आपको कार्यक्षेत्र में अपने कामकाज पर विशेष ध्यान देना होगा। लापरवाही या जल्दबाजी ने बनते हुए काम भी बिगड़ सकते हैं। विपरीत स्थिति उत्पन्न होने पर भी आपको अपने गुस्से को नियंत्रित करना होगा।

वृषभ राशि: आप दिनभर कामकाज में बहुत ज्यादा व्यस्त रहने वाले हैं और शाम के समय कुछ शुभ समाचार भी सुनने को मिल सकते हैं। ये कारोबार में लाभ दिलाने वाले हो सकते हैं। व्यापार के मामले में सावधानी बरतने की जरूरत है, अन्यथा नुकसान हो सकता है।

मिथुन राशि: कार्यक्षेत्र में आपको फोन या मैसेज के जरिए कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकती है, जो काम को आगे बढ़ाएगी। व्यापार के मामले में आपका दिन निवेशों से भरा हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आप कुछ नई तकनीक प्रयोग में ला सकते हैं।

कर्क राशि: आपके लिए कारोबार के मामले में दिन बेहद अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में किसी एक प्रोजेक्ट या योजना पर काम करना आपके लिए लाभदायक साबित हो सकता है। लेकिन आपको इस समय कोई भी जोखिम भरा फैसला लेने से बचना होगा, अन्यथा नुकसान हो सकता है। नौकरी करने वालों का दिन सामान्य रहेगा और परिवार में खुशनुमा माहौल बना रहेगा।

सिंह राशि : कार्यक्षेत्र में आपका दिन भाग्यशाली रहने वाला है। अगर आपके मन में लंबे समय से व्यापार को लेकर कोई नया आइडिया या प्लान आ रहा है, तो उसे आगे बढ़ा सकते हैं। इससे लाभ मिलने की संभावना बनी हुई है। परिवार के मामले में भी दिन अच्छा रहेगा और समस्याएं दूर होंगी।

कन्या राशि: आप कामकाज में ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं और भागदौड़ भी करनी पड़ सकती है। कार्यक्षेत्र में समझदारी और बुद्धिमानी से किए गए कार्यों से लाभ प्राप्त होगा।

तुला राशि: दिन की शुरूआत में व्यापार से जुड़ी को अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। यह समाचार आपको फोन के जरिए प्राप्त हो सकता है। ऑफिस में टीमवर्क से लाभ होगा और प्रसन्नता बनी रहेगा।

वृश्चिक राशि : कार्यक्षेत्र में दिन की शुरूआत में आपको ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है। लेकिन धीरे-धीरे लाभ कमाने के कई अवसर प्राप्त होते जाएंगे। साथ ही, आपको शाम के समय कहीं घूमने जाने का मौका भी मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। आपकी किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात भी हो सकती है, जिससे जरूरी कार्यों की चिंता दूर होगी।

धनु राशि : आपके लिए समय अनुकूल चल रहा है। ऐसे में कारोबार में समय का सही लाभ उठाने से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। लेकिन नौकरी करने वालों को ऑफिस में किसी सहकर्मी से बहस करने से बचना होगा। आपकी कई इच्छाएं अब पूरी भी हो सकती हैं और किसी यात्रा पर जाने से जरूरी काम बन सकता है।

मकर राशि: कार्यक्षेत्र में आपको सावधान रहने की जरूरत रहेगा। किसी सहकर्मी से आपकी अनबन या बहस हो सकती है। कामकाज के मामले में स्थिति पहले से बेहतर होती जाएगी। बिजनेस करने वालों को मुनाफा मिलने की संभावना है और शादीशुदा जिंदगी में खुशहाली आएगी। आपके सामने कई काम एक साथ आ सकते हैं। लेकिन आपको इन्हें एक-एक करके पूरा करना होगा।

कुंभ राशि: कार्यस्थल पर आपको टीमवर्क करना होगा, तभी लाभ प्राप्त होगा। साथियों के साथ मिलकर अपने जरूरी कार्यों को पूरा करने से आपको अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।

मीन राशि: दिन सामान्य से कम अच्छा रहेगा। लेकिन धीरे-धीरे आगे बढ़ने से आपको लाभ भी प्राप्त हो सकता है। अगर आपके जरूरी काम बीच में अटके हुए हैं तो प्रयास करने से वे काम भी बनने शुरू हो सकते हैं। सतर्कता के साथ हर काम करने से आपके संघर्ष खत्म हो सकते हैं।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

खतरनाक पड़ोसी है बांग्लादेश, चीन-पाकिस्तान के साथ बढ़ती नजदीकी भारत के लिए चुनौती

> **यूनुस सरकार ने जमाते इस्लामी और उसके छात्र संगठन इस्लामी छात्र शिविर पर लगे प्रतिबंध हटा लिए और अवामी लीग को प्रतिबंधित कर दिया गया। जेल में बंद हजारों जिहादियों को छोड़ दिया गया। कई शहरों में इस्लामिक स्टेट के झंडे फहराने लगे। अलकायदा से जुड़े अंसारुल्लाह के प्रमुख मुफ्ती जसीमुद्दीन रहमानी के विरुद्ध सारे आरोप वापस ले लिए गए।**

पा आज से करीब एक वर्ष पहले पांच अगस्त, 2024 को बांग्लादेश में तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना का तख्ता पलटा गया। छात्र आंदोलन की आंधी में शेख हसीना भाग कर भारत की शरण में आ गई और अमेरिका के प्रभाव से बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार का गठन हुआ। जबरन सत्ता परिवर्तन में जमाते इस्लामी, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी, हिजबुत तहरीर, हिफाजते इस्लाम जैसे इस्लामिक संगठनों का भी हाथ रहा। यूनुस सरकार ने जमाते इस्लामी और उसके छात्र संगठन इस्लामी छात्र शिविर पर लगे प्रतिबंध हटा लिए और अवामी लीग को प्रतिबंधित कर दिया गया। जेल में बंद हजारों जिहादियों को छोड़ दिया गया। कई शहरों में "इस्लामिक स्टेट" के झंडे फहराने लगे। अलकायदा से जुड़े अंसारुल्लाह के प्रमुख मुफ्ती जसीमुद्दीन रहमानी के विरुद्ध सारे आरोप वापस ले लिए गए। रहमानी ने एक वायरल हुए वीडियो में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का आवाहन किया कि वे मोदी के शासन से बंगाल को मुक्त कर अपनी स्वतंत्रता घोषित करें। एक कट्टरपंथी नेता सैयद मोहम्मद करीम ने बांग्लादेश में शरिया लागू करने की मांग करते हुए कहा कि देश में तालिबान जैसी हुकूमत होनी चाहिए। जब 26 सितंबर, 2024 को मोहम्मद यूनुस संयुक्त राष्ट्र की जनरल असेंबली में शामिल होने के लिए अमेरिका गए थे, तब उनके सम्मान में क्लिंटन ग्लोबल इनिशिएटिव ने एक समारोह का आयोजन किया था। इसमें बिल

क्लिंटन ने हिजबुत तहरीर के नेता महफूज आलम की बांग्लादेश में आंदोलन चलाने के लिए मुक्त कंठ से प्रशंसा की थी। हिजबूत एक कट्टर इस्लामी संगठन है, जो संसार भर में खलीफा का साम्राज्य चाहता है। यह संगठन इंग्लैंड, अमेरिका और कई अन्य देशों में प्रतिबंधित है। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन का सबसे बड़ा दुष्परिणाम वहां के अल्पसंख्यकों, विशेष तौर से हिंदुओं को भुगतना पड़ रहा है। हत्या, अपहरण, दुष्कर्म के साथ मंदिरों को तोड़े जाने की घटनाएं आम हैं। बांग्लादेश हिंदू बुद्धिस्ट क्रिश्चियन यूनिटी काउंसिल के अनुसार अगस्त 2024 से जून 2025 के बीच अल्पसंख्यकों के विरुद्ध 2,442 हिंसात्मक घटनाएं हुईं। यूनुस सरकार को अमेरिका की डेमोक्रेटिक पार्टी और उसके प्रमुख नेता बराक ओबामा, बिल एवं हिलेरी क्लिंटन आदि का पूरा समर्थन है। इस कारण एमनेस्टी इंटरनेशनल और ह्यूमन राइट्स वाच जैसी संस्थाओं ने अल्पसंख्यकों पर अत्याचार की घटनाओं का संज्ञान नहीं लिया और कोई रिपोर्ट नहीं छापी। जिन चंद पत्रकारों ने इन घटनाओं पर अपनी आवाज उठाई, वे गिरफ्तार कर लिए गए और उनके खिलाफ फर्जी मुकदमे चलाए गए। राइट्स एंड रिस्क एनालिसिस के अनुसार अभी तक 878 पत्रकारों को निशाना बनाया जा चुका है। बांग्लादेश में नया आतंक विरोधी कानून बनाया गया है, जिसके अंतर्गत आवामी लीग की गतिविधियों पर प्रतिबंध रहेगा। बांग्लादेश में सिक्योरिटी आर्डिनेंस भी पास किया गया है। इसका इस्तेमाल सरकार अपने विरुद्ध उठने वाली आवाज को दबाने के लिए कर रही है। चूंकि यूनुस को योग्य अर्थशास्त्री होने के नाते नोबेल पुरस्कार मिला था, इसलिए लोगों को बहुत आशा थी कि उनके नेतृत्व में बांग्लादेश आर्थिक प्रगति करेगा, परंतु उसकी आर्थिक हालत खस्ता होती जा रही है। जो महंगाई सितंबर 2024 में 9.92 प्रतिशत थी, वह बढ़कर 10.87 प्रतिशत हो गई है। वर्ल्ड बैंक के अनुसार 2025 में बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था मुश्किल से चार प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। विदेश से होने वाले निवेश गिरते जा रहे। कपड़ा उद्योग, जो देश की आर्थिकी का आधार था, संकट में चल रहा है। 69 फैक्ट्रियां बंद हो गई हैं और 76,500 कर्मी बेकार हो गए हैं। शेख हसीना के कार्यकाल में बांग्लादेश और भारत के बीच संबंधों में बराबर सुधार होता रहा। भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों के भारत विरोधी संगठनों के सदस्यों को पहले बांग्लादेश में शरण मिल जाती थी और वे असम, नगालैंड, मणिपुर आदि में हिंसात्मक कार्रवाई करते थे। यह सब शेख हसीना ने बंद कर दिया, परंतु अब मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार का भारत से फासला धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है। इसका मुख्य कारण यूनुस सरकार का कट्टरपंथियों से गठजोड़ है। कुछ समय पहले चीन, बांग्लादेश और पाकिस्तान की एक बैठक भी हुई, जिसका उद्देश्य भारत को अलग-थलग करना था। मोहम्मद यूनुस ने चीन को बांग्लादेश में अपना आर्थिक जाल फैलाने का न्योता दे दिया है। उन्होंने कहा कि भारत के सातों उत्तर-पूर्वी राज्यों की समुद्र तक कोई पहुंच नहीं है। ऐसे में चीन को बांग्लादेश में अच्छा बाजार मिलेगा। चुनाव को लेकर बांग्लादेश में आंतरिक मतभेद हो गए हैं। चूंकि मोहम्मद यूनुस को सत्ता का आनंद मिल रहा है, इसलिए वह अप्रैल 2026 के पहले चुनाव नहीं करना चाहते। आर्मी प्रमुख जनरल वकार ने कहा है कि चुनाव दिसंबर 2025 तक हो जाने चाहिए। इसके बाद भी अनिश्चितता बनी हुई है। वहां चुनाव के बाद जो सरकार बने भारत को उसका रवैया देखना पड़ेगा। यदि बांग्लादेश की नई सरकार भारत विरोधी रहती है तो हमें कुछ कड़े कदम उठाने पड़ेंगे। भारत में कम से कम दो करोड़ बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं। हमें यह कहना पड़ेगा कि बांग्लादेश इन्हें या तो वापस ले या इन्हें बसकने के लिए हमें आवश्यक भूमि हस्तांतरित करे। यह भूमि हम रंगपुर डिवीजन में मांगें और यदि बांग्लादेश नहीं दे तो उसे जबरदस्ती हासिल करने के लिए कदम उठाए जाएं। अगर हम इसमें सफल हो गए तो सिलीगुड़ी गलियारा में "चिकन नेक" की समस्या का समाधान हो जाएगा। अगर ट्रंप ग्रीनलैंड मांग सकते हैं और चीन ताइवान पर अपना अधिकार जमाने की कोशिश कर सकता है तो हम बांग्लादेश से कुछ जमीन उन्हीं के नागरिकों को बसाने के लिए मांग सकते हैं। बांग्लादेश की स्थिति चिंताजनक है। आज वहां कट्टरपंथियों का बोलबाला है। इससे अल्पसंख्यक भयभीत जिंदगी बिता रहे हैं। चीन और पाकिस्तान से बांग्लादेश की बढ़ती हुई नजदीकियां भारत के लिए एक बड़ी सामरिक चुनौती बनने जा रही हैं। भारत को चीन पाकिस्तान के साथ बांग्लादेश से भी सावधान रहना होगा।

वोट बैंक लालच ने बर्बाद किया हिमाचल-उत्तराखंड को

लोकतंत्र में चुनी हुई सरकारों से यह अपेक्षा की जाती है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए दूरदृष्टि के साथ दूरगामी विकास को सिरे चढ़ाया जाए। इसके विपरीत नेताओं को सिर्फ वोट बैंक की चिंता है। इसके लिए तात्कालिक विकास की नीतियों के फायदे के लिए लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने के साथ ही पर्यावरण के विनाशकारी प्रभावों की अनदेखी करना आम है। यही वजह है कि हिमाचल सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने तगड़ी लताड़ लगाई है। कोर्ट ने कहा कि अगर अनियंत्रित विकास और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियां नहीं रोकी गईं, तो एक दिन पूरा हिमाचल नक्शे से गायब हो सकता है। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब हिमाचल में बदलते पर्यावरण को लेकर चिंताएं बढ़ती जा रही हैं और विकास के नाम पर अंधाधुंध पेड़ काटे जा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट की इस कड़ी टिप्पणी के अगले ही दिन उत्तराखंड के चमोली में चमोली जिले में हेलंग के समीप निर्माणाधीन एक हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट साइट के पास पहाड़ एक बार फिर से ढहकर धड़ाम से नीचे गिर गया। इस हादसे में कंपनी के 8 मजदूर घायल हो गए। साइट पर हादसे के वक्त करीब 300 मजदूर थे। जहां पर लैंडस्लाइड हुआ वहां पर 70 के करीब मजदूर कार्य कर रहे थे। ऐसे हादसों के बावजूद हिमालयी क्षेत्र के राज्यों की सरकारों ने कोई सबक नहीं सीखा है। इन राज्यों में विकास के नाम पर बबार्दी की कहानी लिखी जा रही है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा कि कहा कि सरकारों का मकसद राजस्व बढ़ाना नहीं बल्कि पर्यावरण को बचाना होना चाहिए खासकर ऐसे संवेदनशील इलाकों में। कोर्ट ने यह टिप्पणी एक होटल कंपनी की याचिका खारिज करते हुए की। यह कंपनी जून 2025 की उस अधिसूचना के खिलाफ थी, जिसमें हिमाचल के श्री तारा माता हिल को ग्रीन एरिया घोषित कर नई प्राइवेट कंस्ट्रक्शन पर रोक लगा दी गई थी। बेंच ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में हालात बिगड़ते जा रहे हैं। इस साल भी बाढ़ और भूस्खलन में सैकड़ों लोग मारे गए और हजारों घर तबाह हो गए। यह साफ है कि प्रकृति इंसानी गतिविधियों से नाराज है। कोर्ट ने आगे कहा कि केवल प्रकृति को दोष देना गलत है। हिमाचल में पहाड़ों का खिसकना, सड़कों पर लैंडस्लाइड, मकानों का गिरना और सड़क धंसना, ये सब इंसानों की छेड़छाड़ का नतीजा है। कोर्ट ने भाखड़ा और नाथपा झाकड़ी जैसे हाइड्रो प्रोजेक्ट्स पर सवाल उठाते हुए कहा कि बिना सही भूगर्भ जांच और पर्यावरण अध्ययन के ये प्रोजेक्ट्स पहाड़ों को कमजोर कर रहे हैं। न्यूनतम जल प्रवाह का पालन न होने से नदियों में जलीय जीवन खत्म हो रहा है। आज सतलुज नदी एक नाले जैसी हो गई है। कोर्ट ने साफ किया कि अब समय रहते सख्त कदम न उठाए गए तो हिमाचल का अस्तित्व ही खतरे में पड़ सकता है। गौरतलब है कि पिछले एक सदी में हिमाचल प्रदेश में औसत तापमान 1.6 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है। यह जलवायु परिवर्तन का एक स्पष्ट संकेत है, जिसके कारण हिमाचल प्रदेश में आपदाओं की संख्या में तापमान में वृद्धि के कारण, बारिश की तीव्रता और आवृत्ति में वृद्धि हुई है, जिससे बाढ़ और भूस्खलन जैसी आपदाएँ आ रही हैं। हिमाचल के पांच जिले (चंबा, हमीरपुर, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी) भूकंप के लिए अति संवेदनशील क्षेत्र में आते हैं। भूकंप और लगातार बारिश से पहाड़ कमजोर हो जाते हैं, जिससे भूस्खलन की घटनाएं बढ़ती हैं। हिमाचल में लगभग 58.36 प्रतिशत भूमि तीव्र मिट्टी कटाव के खतरे में है। भारी बारिश के कारण मिट्टी बह जाती है, जिससे पहाड़ों की स्थिरता कम होती है और भूस्खलन का खतरा बढ़ता है। हिमाचल में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। इससे नदियों में पानी का स्तर बढ़ जाता है, जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ता है। हिमाचल में अनियोजित-अवैज्ञानिक विकास कार्यों ने आपदाओं को और बढ़ावा दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार और डेवलपर्स पर्यावरणीय प्रभावों को नजरअंदाज कर रहे हैं। हिमाचल में 174 छोटे-बड़े हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स हैं, जो 11,209 मेगावाट बिजली पैदा करते हैं। इन प्रोजेक्ट्स के लिए पहाड़ों को काटा जाता है। नदियों का प्रवाह बाधित होता है। वर्ष 2023 में कुल्लू और सैंज वैली में मलाना, सैंज और पार्वती प्रोजेक्ट्स के पास भारी नुकसान हुआ। मंडी, कुल्लू और शिमला में सड़क निर्माण के कारण बारिश में स्लिप और भूस्खलन की घटनाएं आम हैं। शिमला जैसे शहरों में बहुमंजिला इमारतें बन रही हैं, जो पर्यावरणीय चेतावनियों को नजरअंदाज करती हैं। हिमाचल में जंगलों को काटकर बिजली प्रोजेक्ट्स, सड़कों और पर्यटन के लिए जगह बनाई जा रही है। वर्ष 1980 से 2014 तक किन्नौर में 90 प्रतिशत जंगल गैर-वन गतिविधियों के लिए हस्तांतरित किए गए, जिससे जैव विविधता और मिट्टी की स्थिरता को नुकसान हुआ। हिमाचल में हर साल लाखों पर्यटक आते हैं, खासकर कुल्लू, मनाली और शिमला जैसे क्षेत्रों में। इससे पर्यावरण पर दबाव बढ़ता है। होटल, रिसॉर्ट्स और अन्य निर्माण कार्यों के लिए पहाड़ों को काटा जाता है। कचरे का उचित प्रबंधन नहीं होता। इससे जल स्रोत और नदियां प्रदूषित होती हैं। बाढ़ जैसी स्थिति बनती है। पिछले कुछ सालों में हिमाचल में आपदाओं की संख्या और तीव्रता बढ़ी है। वर्ष 2021 में 476 लोगों की मृत्यु और करीब 1151 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। वर्ष 2022 में 276 लोगों की मृत्यु और 939 करोड़ रुपये का नुकसान, वर्ष 2023 में 404 लोगों की मृत्यु तथा 12000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इसी तरह पिछले वर्ष 2024 में 358 लोगों की मृत्यु, 1004 घर क्षतिग्रस्त, और 7088 पशु हानि और 18 बादल फटने की घटनाओं ने 14 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स को नुकसान पहुंचाया। कमोबेश ऐसे ही विनाशकारी हालात उत्तराखंड के हैं। इस साल भी बारिश के कारण उत्तराखंड में एक जून से लेकर अभी तक प्राकृतिक आपदाओं में 25 लोगों की मौत हुई है। उत्तराखंड में नदियां अक्सर भारी बारिश के कारण उफान पर आ जाती हैं, जिससे बाढ़ और भूस्खलन होता है। वर्ष 2013 की केदारनाथ आपदा में मंदाकिनी नदी में आई बाढ़ ने व्यापक विनाश किया था। वर्ष 2021 में उत्तराखंड में 17 प्रमुख बादल फटने की घटनाएं हुईं। जिससे 34 लोगों की मौत हो गई और 106 घर दब गए। आश्चर्य यह है कि इन दोनों राज्यों की सरकारों ने इन प्राकृतिक आपदाओं से कोई सबक नहीं सीखा। दोनों राज्यों में विकास के नाम अदूरदर्शी प्रतिकूल पर्यावरणीय गतिविधियां जारी हैं। इससे जाहिर है कि नेताओं की नजरें सिर्फ वोट बैंक तक सीमित रहती हैं, लोगों की जान-माल की यदि परवाह होती तो दोनों राज्यों के हालात इतने बदतर नहीं होते।

इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज पर सुप्रीम कोर्ट का यू-टर्न, क्या न्यायपालिका की प्रतिष्ठा प्रभावित?

अच्छा यह होगा कि इन प्रश्नों पर गंभीरता से विचार किया जाए क्योंकि कई बार ऐसी टिप्पणियां विवाद और अनावश्यक बहस का विषय बनती हैं। यह शुभ संकेत है कि सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान प्रधान न्यायाधीश न्यायपालिका की विसंगतियों को रेखांकित करने में लगे हुए हैं। उन्होंने कई विषयों पर दो टूक ढंग से अपनी बात कही है। उच्चतर न्यायपालिका की प्रतिष्ठा के लिए यह ठीक नहीं कि सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय पीठ पहले इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक न्यायाधीश को आपराधिक मामलों की सुनवाई से रोकती है और फिर जब वहां के 13 जज इसका प्रतिवाद करते हैं तो वह अपना फैसला वापस ले लेता है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश प्रशांत कुमार के खिलाफ दिए गए अपने आदेश को वापस लेते हुए यह कहा कि उसका इरादा उन्हें शर्मिंदा करने का नहीं था, लेकिन फैसले के वक्त जैसी टिप्पणियां की गई थीं, वे तो उनकी योग्यता और निष्ठा पर सवाल खड़े करने वाली थीं। सुप्रीम कोर्ट ने यहां तक कहा था कि ऐसा खराब और त्रुटिपूर्ण फैसला नहीं देखा? प्रश्न यह है कि अब वह कथित खराब फैसला खराब क्यों नहीं रहा? यह सामान्य बात नहीं कि सुप्रीम कोर्ट के किसी फैसले पर अपनी आपत्ति जताते हुए हाई कोर्ट के 13 न्यायाधीश अपने मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखें। यह ठीक है कि इस पत्र का संज्ञान लिया गया और उसके बाद चर्चा एवं विवाद का विषय बना सुप्रीम कोर्ट का फैसला वापस हो गया, लेकिन क्या इसी के साथ मामले का पटाक्षेप हो गया? शायद नहीं। जो भी हो, इस सवाल का जवाब मिलना ही चाहिए कि उच्चतर न्यायपालिका के न्यायाधीश किसी मामले की सुनवाई करते हुए जो टिप्पणियां करते हैं, वे कई बार उनके फैसलों का हिस्सा क्यों नहीं बनतीं? कई बार किसी मामले की सुनवाई के दौरान की गईं तीखी टिप्पणियां कुछ और संदेश देती हैं और फैसला कुछ और कह रहा होता है। इससे भी बड़ी विडंबना यह कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से की गईं मौखिक टिप्पणियों को नजीर की तरह लिया जाता है। आखिर जो टिप्पणी फैसले का हिस्सा नहीं, उसे महत्व क्यों दिया जाना चाहिए? सबसे बड़ी बात कि ऐसी टिप्पणी होनी ही क्यों चाहिए? अच्छा यह होगा कि इन प्रश्नों पर गंभीरता से विचार किया जाए, क्योंकि कई बार ऐसी टिप्पणियां विवाद और अनावश्यक बहस का विषय बनती हैं। यह शुभ संकेत है कि सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान प्रधान न्यायाधीश न्यायपालिका की विसंगतियों को रेखांकित करने में लगे हुए हैं। उन्होंने कई विषयों पर दो टूक ढंग से अपनी बात कही है। उनसे यही अपेक्षित है कि वे विसंगतियों को रेखांकित करने तक ही सीमित न रहें, बल्कि उन्हें दूर करने के लिए भी सक्रिय हों। उनकी सक्रियता के दायरे में उच्चतर न्यायपालिका के न्यायाधीशों की नियुक्ति की विवादास्पद कोलेजियम व्यवस्था भी आनी चाहिए और महाभियोग की जटिल एवं लंबी प्रक्रिया भी। इसी जटिलता के कारण आज तक किसी जज के खिलाफ महाभियोग पारित नहीं हुआ। इसका यह मतलब नहीं कि उन पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप सही नहीं थे। उच्चतर न्यायपालिका की प्रतिष्ठा के लिए यह ठीक नहीं कि सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय पीठ पहले इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक न्यायाधीश को आपराधिक मामलों की सुनवाई से रोकती है और फिर जब वहां के 13 जज इसका प्रतिवाद करते हैं तो वह अपना फैसला वापस ले लेता है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश प्रशांत कुमार के खिलाफ दिए गए अपने आदेश को वापस लेते हुए यह कहा कि उसका इरादा उन्हें शर्मिंदा करने का नहीं था, लेकिन फैसले के वक्त जैसी टिप्पणियां की गई थीं, वे तो उनकी योग्यता और निष्ठा पर सवाल खड़े करने वाली थीं।

सैंट जोसेफ गर्ल्स इंटर कॉलेज , मम्फोर्डगंज में बने बाढ़ राहत शिविर में मनाया गया रक्षाबंधन त्योहार

भारत संवाद

प्रयागराज , रक्षाबंधन त्यौहार के अवसर पर शनिवार को सदर तहसील में सैंट जोसफ गर्ल्स इंटर कॉलेज , मम्फोर्डगंज में बनाए गए बाढ़ राहत शिविर में उपजिलाधिकारी सदर श्री अभिषेक सिंह की उपस्थिति में बाढ़ राहत केंद्र में रह रहे बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच रक्षाबंधन का त्योहार मनाया गया । बाढ़ राहत केंद्र में रह रही बालिकाओं ने लोंगों को रक्षासूत्र बाँधा और रोली अक्षत से तिलक लगाया है उपजिलाधिकारी सदर अभिषेक सिंह और अपर उपजिलाधिकारी सदर गणेश कनोजिया ने भी शिविर में राखी बंधवाई और उपहार दिए इस अवसर पर राहत शिविर में रह रहे सभी बच्चों को मिठाई, चॉकलेट एवं अन्य उपहार वितरित किए गए । सभी परिवारों के द्वारा इस पर प्रसन्नता व्यक्त की गई ।

मंत्री नन्दी की कलाई पर सैकड़ों बहनों ने बांधा रक्षासूत्र

महिला आरक्षियों ने भी मंत्री की कलाई पर बांधी राखी

- पुलिस लाइन और सर्किट हाउस में रक्षाबंधन उत्सव का हुआ आयोजन

भारत संवाद

उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने हर साल की तरह इस वर्ष भी अनोखे अंदाज में रक्षाबंधन का पर्व मनाया। सर्किट हाउस प्रयागराज में रक्षाबंधन उत्सव का आयोजन किया गया। जहां भाजपा की महिला पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा व विभिन्न क्षेत्रों से आई डेढ़ हजार से अधिक बहनों ने तिलक लगाकर कलाई पर राखी बांधी। वहीं पुलिस लाइन प्रयागराज में आयोजित रक्षाबंधन उत्सव में सम्मिलित होते हुए कानून की रक्षक बहनों से रक्षा सूत्र बंधवाया और उनके सम्मान की रक्षा का वचन दिया और बहनों से आशीष प्राप्त किया। सर्किट हाउस में मंत्री नन्दी ने एक एक बहन से मुलाकात कर हर संभव सहयोग का वादा किया और उपहार भेंट किए। इस दौरान कई बहनों ने अपनी समस्याओं से भी अवगत कराया। जिस पर मंत्री नन्दी ने भाई के रूप में हमेशा साथ खड़े रहने का आश्वासन दिया।

योगी सरकार में कानून का राज, खुद को सुरक्षित महसूस करती हैं बहनें

मंत्री नन्दी ने कहा कि डबल इंजन सरकार में कानून का राज है। जहां गुंडों, माफियाओं के लिए कोई जगह नहीं हैं। आज घर से निकलने के बाद बहन बेटियां खुद को सुरक्षित महसूस करती हैं। गुंडों, बदमाशों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जा रही है। ताकि बहनें बिना किसी डर के घर के बाहर निकल सकें।

बहनें बोली, मंत्री नंदी बेहद सरल और जमीन से जुड़े व्यक्ति हैं

महिलाओं का कहना था कि मंत्री नन्दी बेहद सरल और जमीन से जुड़े एक ऐसे व्यक्ति हैं जिनको सभी वर्ग के लोग की कद्र है। कुछ महिलाएं तो ऐसी थी जो मंत्री नंदी को कई सालों से राखी बांधती आ रही हैं। इस दौरान सभी महिलाएं बेहद खुश नजर आई। उधर मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने भी सभी महिलाओं को आश्वासन दिया कि उनको किसी तरह की समस्या नहीं होगी। वह एक भाई की तरह फर्ज निभाएंगे।

मंत्री नन्दी ने पुलिस लाइंस में महिला सिपाहियों से बंधवाई राखी, दिए तोहफे

मंत्री नंदी ने पुलिस लाइंस सभागार प्रयागराज में जाकर महिला पुलिस अधिकारियों और सिपाहियों से राखी बंधवाई. रक्षाबंधन के त्यौहार पर इन महिला सिपाहियों को घर और भाइयों की कमी न महसूस हो, इसीलिये मंत्री नन्दी खुद पुलिस लाइंस गए और राखी बंधवाई. महिला सिपाहियों ने इस मौके पर मंत्री नंद गोपाल की आरती की. उन्हें टीका और अक्षत लगाया और इसके बाद राखी बांधकर आशीर्वाद लिया.

फास्ट ट्रैक

थाना पड़रीः स्कॉर्पियो में क्रूरता पूर्वक बांधकर ले जाये जा रहे कुल 04 राशि गोवंश बरामद

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की धरपकड़ व पशु तस्करों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है । उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः09.08.2025 को थाना पड़री पुलिस टीम द्वारा रक्षाबंधन पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने के दृष्टिगत थाना पड़री क्षेत्रान्तर्गत पचोखरा बिल्डिंग मैटेरियल दुकान के पास संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही थी । पुलिस द्वारा की जा रही सघन चेकिंग को देखकर कुछ दूरी पर सिकरी इमरती की तरफ से आ रहे सफेद स्कॉर्पियो सवार 02 व्यक्ति रेलवे अण्डर पास के नीचे बरसाती पानी में स्कॉर्पियो वाहन को खड़ी करके नीचे उतरकर भागे । पुलिस द्वारा संदिग्ध वाहन स्कॉर्पियो अंकित वाहन संख्याःवढ61अफ4912 की तलाशी ली गयी तो उसमें क्रूरता पूर्वक बांधकर ले जाये जा रहे कुल 04 राशि गोवंशो को बरामद किया गया । बरामद हुए गोवंशों के चिकित्सीय परीक्षणोपरान्त बृहद् गोशाला सिंधोरा में दाखिल कराया गया । उक्त बरामदगी के सम्बन्ध में थाना पड़री पर मु0अ0सं0-144/2025 धारा 3/5ए/8 गोवध निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रूरता अधिनियम पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा जनपद में रक्षाबन्धन पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने तथा सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने हेतु भ्रमण कर सुरक्षा/यातायात व्यवस्था का जायजा लेते हुए ड्यूटीरत अधिकारी/कर्मचारीगण को दिया गया आवश्यक दिशा-निर्देश

थाना पड़रीः स्कॉर्पियो में क्रूरता पूर्वक बांधकर ले जाये जा रहे कुल 04 राशि गोवंश बरामद

भारत संवाद

आज दिनांकः09.08.2025 को भाई-बहन के अगाध प्रेम एवं अटूट विश्वास के प्रतीक, रक्षाबन्धन पर्व पर को सकुशल सम्पन्न कराने तथा जनपद में सुगम आवागमन एवं सुरक्षा/यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने हेतु सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा संकट मोचन, घण्टाघर, त्रिमुहानी, पक्का घाट व इमामबाड़ा, शास्त्री पुल, नटवां तिराहा, शीतला मंदिर बथुआ तिराहा, राबर्ट्सगंज तिराहा सहित मुख्य मार्गों एवं तिराहों/चौराहों पर भ्रमण कर सुरक्षा-यातायात व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा पर्व को चुश्त-दुरुस्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु ड्यूटीरत पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा पुलिस के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण के साथ स्वयं भी शास्त्री ब्रिज पर मौजूद रहकर यातायात व्यवस्था को सुचारू रुप से जारी रखा गया ताकि रक्षाबन्धन पर्व पर आने-जाने वाले आमजन को असुविधा न हों पाये और वह अपने गन्तव्य स्थल पर समय से सुरक्षित पहुंच सकें । उक्त भ्रमण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर, प्रभारी निरीक्षक को0कटरा, प्रभारी निरीक्षक को0शहर, यातायात प्रभारी सहित अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहें । इसी क्रम में जनपदीय पुलिस बल के अपर पुलिस अधीक्षकगण, क्षेत्राधिकारीगण, प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण व चौकी प्रभारीगण द्वारा पर्याप्त पुलिस बल के अपने-अपने क्षेत्र में सतत रुप से भ्रमणशील रहकर रक्षा बन्धन पर्व को चुश्त-दुरुस्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच सकुशल सम्पन्न कराया जा रहा है । त्वरित पुलिस सहायता हेतु यूपी-112 पर कॉल करें, मीरजापुर पुलिस आपकी सुरक्षा एवं सेवा हेतु कटिबद्ध है ।

रेलवे ने लागू की राउंड ट्रिप पैकेज स्कीम

त्यौहारी सीजन के भीड़ के दौरान राउंड ट्रिप स्कीम के तहत बुक किया जा सकेगा

- रिटर्न जर्नी पर 20% का मिलेगा डिस्काउंट
- एक्सपेरिमेंटल बेसिस पर शुरू की गई स्कीम

भारत संवाद

रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए तथा त्यौहारी सीजन में भीड़ से बचने व ट्रेनों का अधिकतम उपयोग करने के साथ-साथ परेशानी मुक्त टिकट सुविधा सुनिश्चित करने के लिए प्रयोगिक तौर पर राउंड ट्रिप स्कीम शुरू की है। इस स्कीम में यात्रियां को रिर्टन जर्नी में 20 % डिस्काउंट मिलेगा। इस स्कीम में उन यात्रियो को डिस्काउंट का लाभ मिलेगा जो रिर्टन टिकट भी बुक करेंगे। इसमें यह सुनिष्चित किया जाना हे कि टिकट बुकिंग में दोनों ओर की (आना और जाना) यात्रा में यात्री की सभी जानकारियां समान होनी चाहिए। रेलवे द्वारा 13 अक्टूबर से की जाने वाली यात्रा के लिए 14 अगस्त से बुकिंग प्रारम्भ की जाएगी। 13 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक यात्रा करने वालों के लिए पहले बुकिंग होगी तथा इसी के सम्पर्क में वापिसी यात्रा के लिए 17 नवम्बर से 1 दिसम्बर तक रिर्टन टिकट बुक की जाएगी। इस स्कीम का लाभ उठाने के लिए यात्री को समान श्रेणी और समान जोडी ट्रेन में टिकट बुक करवानी होगी। इस स्कीम में टिकट बुक करवाने वालों को रिफंड का प्रावधान नहीं किया गया है और न ही टिकट मॉडिफिकेशन की सुविधा प्रदान की गई है। जिन ट्रेनों मे फ्लेक्सी फेयर का प्रावधान है उनको इस स्कीम से बाहर रखा गया है। इस स्कीम में बेस किराये में 20 % छूट का लाभ केवल कन्फर्म टिकट पर ही लागू होगां। साथ ही किसी भी प्रकार की रियायते जैसे रेलवे पास, बाउचर, रेल यात्रा कूपन इत्यादि इसमें कवर नहीं किए जाएंगें। इस स्कीम के तहत दोनों तरफ की यात्रा के लिए टिकट बुक करवाने का माध्यम भी समान ही होना चाहिए जैसे यदि किसी यात्री ने जाने की टिकट यदि इंटरनेट बुकिंग के माध्यम से बुक की है तो रिर्टन जर्नी की टिकट भी इंटरनेट बुकिंग से ही होनी चाहिए यही रेलवे आरक्षण काउंटर से बुक टिकट पर लागू होगा।

ब्रह्माकुमारीज में धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन का पर्व

भारत संवाद

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर ब्रह्माकुमारीज के मुख्य सेवा केंद्र सद्भावना भवन में राखी का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ब्रह्माकुमारी बहनों ने उपस्थित बहनों, भाइयों को परमात्मा की राखी बांधी एवं पवित्रता की पांच प्रतिज्ञाएं कराई। हेडक्वाटर माउंट आबू, राजस्थान से आए हुए संदेश को सुनाते हुए प्रयागराज की क्षेत्रीय निदेशिका मनोरमा दीदी ने कहा कि रक्षाबंधन पवित्रता का त्यौहार है, जिसमें बहन संपूर्ण नारी समाज का प्रतिनिधित्व करते हुए भाई की कलाई पर पवित्र धागा बनती है। यह पवित्र बंधन वास्तव में समस्त मनुष्यों को इस बात के लिए इंगित करता है की जिस श्रेष्ठ भाव से भाई अपनी बहन को देखता है, उसी श्रेष्ठ भाव से समाज की हर नारी को देखे। उन्होंने कहा कि वास्तव में किसी की सुरक्षा उसका भाई कैसे कर सकता है क्योंकि उसके लिए भाई को योग्य भी होना पड़ेगा और बहन के साथ उपस्थित भी रहना पड़ेगा, जो की हमेशा के लिए संभव नहीं है। इसलिए हम सभी के परम रक्षक तो परमात्मा ही हैं। चाहे स्त्री या पुरुष सुरक्षा की जरूरत तो आज के समय में सभी को है और परमात्मा सदा ही सभी की रक्षा करते हैं, यदि हम अपने मन बुद्धि के तार उनसे जोड़कर रखें। इस अवसर पर सैकड़ों की तादाद में ब्रह्माकुमारीज से जुड़े लोग उपस्थित रहे। ब्रह्माकुमारी बहनों ने करछना विधायक श्री पीयूष रंजन निषाद को तथा झलवा स्थित आइटीबीपी कैंप में आईटीबीपी के सुरक्षाबलों को भी राखी बांधी। इस अवसर पर कमांडेंट

अशोक कुमार सिंह, डिप्टी कमांडेंट आशीष पांडे, इंस्पेक्टर एमके भारती, देवकी नंदन एवं अजय सिंह सहित 18 वीं बटालियन आईटीबीपी के सुरक्षा बल मौजूद रहे। अरैल घाट स्थित सच्चा बाबा आश्रम के महंत डॉ चंद्र देव महाराज को भी ब्रह्माकुमारी बहनों ने राखी बांधी।

ऐतिहासिक उपलब्धिः कश्मीर घाटी में पहली मालगाड़ी सीमेंट लेकर अनंतनाग गुड्स शेड पहुँची

कश्मीर घाटी में मालगाड़ी का आगमन लॉजिस्टिक और आर्थिक विकास के एक नए युग का सूचक

भारत संवाद

नई दिल्ली, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए एक ऐतिहासिक विकास में, पंजाब के रूपनगर से पहली बार एक मालगाड़ी सफलतापूर्वक कश्मीर घाटी के अनंतनाग गुड्स शेड तक पहुंची है। यह कश्मीर क्षेत्र को राष्ट्रीय माल ढुलाई नेटवर्क से जोड़ने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सीमेंट से लदी मालगाड़ी के आगमन से बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में तेजी आएगी और कश्मीर के लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा। उद्घाटन मालगाड़ी में सीमेंट के 21 बीसीएन वैगन लदे थे। लगभग 600 किलोमीटर की यह यात्रा आज 18 घंटे से भी कम समय में नवनिर्मित अनंतनाग गुड्स शेड पर पूरी हुई। यह आयोजन कश्मीर क्षेत्र में लॉजिस्टिक और आर्थिक विकास के एक नए युग का समर्थन करने के लिए इसकी तत्परता को दशार्ता है ।इस ट्रेन में परिवहन किए जाने वाले सीमेंट का उपयोग कश्मीर घाटी में सड़कों, पुलों, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और आवासीय भवनों के निर्माण सहित महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए किया जाएगा ।इस अभूतपूर्व यात्रा के लिए लॉजिस्टिक व्यवस्था को सटीकता के साथ क्रियान्वित किया गया। 7 अगस्त, 2025 को 23:14 बजे उत्तर रेलवे को एक इंडेट भेजा गया, जिसके बाद अगले दिन यानी 8 अगस्त को सुबह 9:40 बजे रेक की व्यवस्था की गई। 8 अगस्त, 2025 को शाम 6:10 बजे लदान पूरा हो गया और ट्रेन शाम 6:55 बजे पंजाब के रूपनगर स्थित गुजरात अंबुजा सीमेंट लिमिटेड (GACL) सुविधा से रवाना हुई। मालगाड़ी को इलेक्ट्रिक WAG -9 लोकोमोटिव (लोको संख्या 32177, TKD, ट्रिप 08/09) द्वारा ले जाया गया, जो राष्ट्रीय रेल नेटवर्क की आधुनिक क्षमताओं को दशार्ता है ।इस पहली मालगाड़ी का आगमन न केवल एक लॉजिस्टिकल उपलब्धि है, बल्कि प्रगति और एकीकरण का एक सशक्त प्रतीक है, जो एक अधिक संबद्ध और समृद्ध कश्मीर घाटी का मार्ग प्रशस्त करता है।

राजकीय एवं निजी आईटीआई में चतुर्थ चरण प्रवेश के लिए 11 से 15 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन

भारत संवाद

लखनऊ, राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश ने सत्र 2025-26 के लिए राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में चतुर्थ चरण प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। तृतीय चरण की चयन सूची के आधार पर 07 अगस्त 2025 तक प्रवेश की कार्यवाही पूरी होने के बाद बचे हुए रिक्त सीटों पर यह प्रक्रिया संचालित की जाएगीविशेष सचिव, व्यावसायिक शिक्षा कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग/अधिशासी निदेशक, एससीवीटी, उत्तर प्रदेश अभिषेक सिंह ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों का प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय चरण में चयन नहीं हुआ या चयन के बाद भी प्रवेश नहीं हो पाया, वे 11 से 15 अगस्त 2025 की मध्यरात्रि 12 बजे तक वेबसाइट www.scvtup.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। पूर्व पंजीकृत अभ्यर्थी नए विकल्प भर सकेंगे, जबकि नए अभ्यर्थियों को पंजीकरण कर आवेदन करना होगा ।अभ्यर्थियों को वेबसाइट पर चौथे चरण के लिए पूर्व पंजीकृत अभ्यर्थी द्वारा नवीन विकल्प और चौथे चरण के लिए नवीन अभ्यर्थी द्वारा आवेदन के लिंक उपलब्ध रहेंगे। आवेदन शुल्क सामान्य/पिछड़ा वर्ग के लिए रूपए दो सौ पचास मात्र तथा अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए रूपए एक सौ पचास मात्र निर्धारित किया गया है। शुल्क का ऑनलाइन भुगतान डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग या यूपीआई के माध्यम से किया जा सकेगा ।सभी प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने संस्थान में व्यवसायवार रिक्त सीटों की जानकारी सार्वजनिक सूचना पट पर प्रदर्शित करें, ताकि अभ्यर्थी आवश्यकतानुसार विकल्प भर सकें।

82 साल बाद प्रयागराज में गूंजा करो या मरो नारा

कांग्रेस ने आजाद पार्क से निकाली तिरंगा यात्रा, अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन की याद दिलाई

भारत संवाद

प्रयागराज, अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन की 82वीं वर्षगांठ पर जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी ने तिरंगा यात्रा निकाली। यह यात्रा शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क से शुरू होकर शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए संपन्न हुई। कांग्रेस कार्यकताओं, नेताओं और समर्थकों ने बड़ी संख्या में इस यात्रा में भाग लिया। सभी हाथों में तिरंगा लेकर भारत छोड़ो और करो या मरो जैसे नारे लगा रहे थे। इस तरह वे स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास को याद कर रहे थे। कांग्रेस नेताओं ने बताया कि 10 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी ने अंग्रेजों से भारत छोड़ने और करो या मरो का आह्वान किया था। उस समय दुनिया द्वितीय विश्व युद्ध में उलझी थी। गांधीजी ने कहा था कि आजादी के लिए निर्णायक लड़ाई का समय आ गया है। इसके बाद कांग्रेस पार्टी ने इस आंदोलन की शुरूआत की। लाखों लोगों ने गिरफ्तारी दी और पूरे देश में क्रांति की लहर दौड़ गई। प्रयागराज में भी 12 अगस्त 1942 को शहीद

लाल पदमधर और रमेश मालवीय ने अपने प्राण न्योछावर किए थे। उस दौर में महात्मा गांधी और पंडित जवाहरलाल नेहरू समेत कई बड़े नेता जेल गए। लेकिन आंदोलन नहीं थमा और अंततः 1947 में देश को आजादी मिली। इस मौके पर पूर्व विधायक और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अनुग्रह नारायण सिंह ने वर्तमान परिस्थितियों की तुलना आजादी के आंदोलन से की। उन्होंने कहा कि आज भी देश बाहरी दबाव में है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का उदाहरण देते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अंतरराष्ट्रीय दबाव के आगे झुक रही है।

प्रार्थना और यज्ञ

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी के आशीर्वाद से धराली पीड़ियों के लिये भेजी गयी राहत सामग्री, फल और सब्जियां

धराली (उत्तरकाशी) आपदा पीड़ितों के लिए परमार्थ निकेतन में विशेष प्रार्थना और यज्ञ

भारत संवाद

- आज धराली का हाल भले ही बदहाल हो, लेकिन वहां की मिट्टी में उम्मीद और हौसले के बीज अब भी जीवित हैं
- धराली गांव के पुनर्निर्माण, स्वच्छ पेयजल, स्वास्थ्य सेवाओं, बच्चों की शिक्षा, और जीविकोपार्जन के साधनों को पुनः स्थापित करने के लिए दीर्घकालिक परियोजनाओं की अत्यंत आवश्यकता

ऋषिकेश। पाँच अगस्त को आई भयंकर आपदा ने उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद के धराली गांव की पूरी तस्वीर बदल दी। यह वही धराली है जो कभी कल-कल बहती पावन भागीरथी, नीले आकाश, ऊँचे हिमालयी पर्वत, देवदार के गगनचुंबी वृक्षों और सुंदर वादियों से सुसज्जित था। मानो प्रकृति ने अपने हाथों से इस गाँव का श्रृंगार किया हो किंतु, इस बार उसी प्रकृति ने एक विनाशकारी रूप में यहां के लोगों से उनका सब कुछ छीन लिया। धराली का वर्तमान दृश्य किसी गहरे घाव जैसा है, टूटी-फूटी सड़कें, मलबे में दबे घर, बह चुकी फसलें, और उजड़ चुके बाग-बगीचे। गाँव का हर चेहरा दर्द और हताशा की कहानी कह रहा है। यह दृश्य 2013 की केदारनाथ आपदा के बाद के रामबाड़ा की याद दिलाता है, जो तब से देश के मानचित्र से ही गायब हो गया। इस त्रासदी ने न केवल लोगों के घर और रोजगार छीन लिए, बल्कि उनकी आर्थिक नींव को भी हिला दिया। प्राकृतिक आपदाएं केवल शारीरिक और मानसिक पीड़ा ही नहीं देतीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को भी तहस-नहस कर देती हैं। धराली के लोग अपने खेत-खलिहान, दुकानें, व्यवसाय और वर्षों की मेहनत से बनाए घर एक पल में खो बैठे। ऐसे कठिन समय में, परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष, स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने विदेश की धरती से धराली पीड़ितों की

सहायता हेतु राहत और सहयोग प्रदान करते का आह्वान किया। आपदा चाहे कितनी भी भयंकर क्यों न हो, आशा और सेवा की रोशनी उससे बड़ी होती है। धराली के हमारे भाई-बहनों को यह संदेश देना है कि वे अकेले नहीं हैं पूरा देश, पूरी मानवता उनके साथ खड़ी है। स्वामी जी के आशीर्वाद और मार्गदर्शन में, परमार्थ निकेतन की सेवा टीम ने धराली और आसपास के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री भेजी। इसमें एक हजार किलो से अधिक ताजी सब्जियां, राशन सामग्री, बच्चों और महिलाओं के कपड़े, रेनकोट, दूध पाउडर, चप्पलें, छाते, मोमबत्ती माचिस, बरसाती, मेडिकल किट और अन्य आवश्यक वस्तुएं शामिल थीं, जिन्हें स्थानीय प्रशासन और स्वयंसेवकों के सहयोग से पीड़ित परिवारों तक पहुंचाया गया। स्वामी जी ने कहा कि सेवा केवल राहत सामग्री पहुंचाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह पीड़ितों के मनोबल को भी मजबूत करे। राहत दल ने राहत सामग्री वितरित कीं और पीड़ित परिवारों से संवाद भी किया, उनका दर्द सुना, और उन्हें भरोसा दिलाया कि पुनर्निर्माण की राह पर हर कदम पर उनके साथ खड़े रहेंगे। स्वामी जी ने विशेष रूप से आह्वान किया की कि देश-विदेश से लोग आगे आएं और आर्थिक, सामग्री एवं मानसिक सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा हमारा उत्तराखंड केवल भौगोलिक स्थान नहीं है, यह हमारी संस्कृति, आस्था और आध्यात्म का केंद्र है। इसे पुनः संवारना हम सबका कर्तव्य है। धराली के लोग आज भी मलबे के बीच उम्मीद की किरण देख रहे हैं। उनका विश्वास है कि जैसे प्रकृति ने कभी उनके गाँव को सजाया था, वैसे ही एक दिन यह गाँव फिर से बस जाएगा। माँ गंगा की कृपा और जनमानस के सहयोग से धराली का हर आंगन फिर से हंसी-खुशी से गूंजे। आज धराली का हाल भले ही बदहाल हो, लेकिन वहां की मिट्टी में उम्मीद और हौसले के बीज अब भी जीवित हैं।

थाना सन्तनगर पुलिस द्वारा हत्या के प्रयास के अभियोग से सम्बन्धित नामजद 04 नफर अभियुक्त/अभियुक्ता गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त एक अदद कुल्हाड़ी बरामद

भारत संवाद

थाना सन्तनगर जनपद मीरजापुर पर दिनांकः08.08.2025 को वादी दुर्गेश कुमार यादव पुत्र गोपीनाथ यादव निवासी ग्राम समसदिया थाना सन्तनगर जनपद मीरजापुर द्वारा अपने पड़ोस के नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध दीवार बनाने की बात को लेकर गाली गलौज देते हुए कुल्हाड़ी व लाठी-डण्डा से जान मारने की नियत से वादी के माता पिता को मारपीट कर गंभीर रुप से घायल कर देने तथा अस्पताल में इलाज प्रचलित होने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई ।जिसके आधार पर थाना सन्तनगर पर मु0अ0सं0-102/2025 धारा 109,352 बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई । सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए सम्बन्धित अभियोग में त्वरित कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों की

गिरफ्तारी हेतु क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक सन्तनगर को निर्देश दिये गये । उक्त निर्देश के अनुक्रम में मुकदमा उपरोक्त में अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 09.08.2025 को थाना सन्तनगर पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना सन्तनगर क्षेत्रान्तर्गत तुलसीपुर नहर पुलिया के पास से नामजद 04 नफर अभियुक्त/अभियुक्ता 1.बऊ उर्फ शंकर पुत्र स्व0फत्ते, 2.भोला चौहान पुत्र श्यामलाल, 3.रजवन्ती पत्नी बऊ उर्फ शंकर, 4.लीलावती पत्नी भोला चौहान समस्त निवासीगण समसदिया थाना सन्तनगर जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त बऊ उर्फ शंकर उपरोक्त की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त एक अदद कुल्हाड़ी बरामद किया गया । थाना सन्तनगर पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

12 बोतल देशी शराब सहित शराब तस्कर गिरफ्तार

भारत संवाद

सहारनपुर। थाना गंगोह पुलिस एक शराब तस्कर को गिरफ्तार कर कब्जे से 12 बोतल देशी शराब हरियाणा मार्का बरामद की।एसएसपी के निर्देशन मे जनपद में अपराध नियंत्रण, मादक पदार्थों एंव अवैध शराब के कारोबार की रोकथाम व इन कारोबार में संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी गंगोह के निकट पर्यवेक्षण मे तथा प्रभारी निरीक्षक पीयूष दीक्षित थाना गंगोह जनपद सहारनपुर के कुशल नेतृत्व में आज मुखबिर की सूचना पर थाना गंगोह पुलिस टीम द्वारा गस्त के दौरान एक शराब तस्कर अभियुक्त सद्दाम पुत्र जाहिद निवासी ग्राम मैनपुरा उर्फ मोहनपुरा थाना गंगोह जिला सहारनपुर को ग्राम बाढी माजरा तिराहे से ग्राम मैनपुरा उर्फ मोहनपुरा को जाने वाले रास्ते के पास से गिरफ्तार किया गया। जिसके कब्जे से 12 बोतल देशी शराब हरियाणा मार्का बरामद हुई।

श्रद्धा एवं उल्लास से मनाया स्वामी तुरीयानंद महाराज का 150वां अवतरण दिवस

भारत संवाद

सहारनपुर ।श्री श्री 1008 स्वामी तुरीयानन्द महाराज का 150वां अवतरण दिवस स्थानीय मण्डी समिति रोड, कृष्णा नगर सिद्धपीठ स्वामी तुरीयानन्द आश्रम में श्री श्री 1008 स्वामी विवेकानंद गिरि महाराज के सानिध्य में श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विशाल भण्डारा एवं हवन-यज्ञ भी किया गया।

श्रद्धालुओं पर अपने मुखारबिन्द से अमृतवर्षा करते हुए गद्दीनशीन स्वामी विवेकानन्द गिरि महाराज ने बताया कि कर्म सिद्धान्त हजारों वर्षों से ज्यों का त्यों ही चल रहा है, इसमें किसी भी प्रकार का थोड़ा भी अपवाद नहीं है।निगुर्ण निराकार शुद्ध ब्रहमा भी जब सगुण साकार रूप बनकर त्रेतायुग में श्रीराम के स्वरूप में इस धरा पर अवतरित होते हैं, वे भी अपने पिता राजा दशरथ को कर्म के नियम के अनुसार पुत्र विरह से मृत्यु को ही पाना पड़ा।हालांकि श्री राम सबकुछ करने में सक्षम थे, लेकिन उनकी वो सब लीलाएं मानव जाति के लिए संदेश है।

स्वामी विवेकानंद गिरि महाराज ने कहा कि श्रीमद भागवत गीता में भी भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन कर्म का संदेश दिया है कि अर्जुन तुम्हे कर्म करने का अधिकार है किन्तु फल भोगने का कोई अधिकार नहीं है। तू कर्म तो कर, किन्तु फल की आशा मत कर। महाराज ने कहा कि बीजों बीज बबूल का तो आम कहा से आये, अब प्रश्न उठता है जब मिलना ही कम है तो फिर भगवान को क्यों माने या जब हर क्रियामा कर्म बिना फल दिये शांत नहीं होता तो फिर श्री भगवन की मध्यस्थता की क्या जरूरत है।श्री महाराज ने कहा कि मानव शरीर पंचतत्वों (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश) से बना है।ये जगत व मानव शरीर के बीच एक ऊर्जा है जिससे ये शरीर संचालित होता है, ये जो ऊर्जा रूपी चेतना तत्व है जिसके आत्मा की संज्ञा दी गयी है। शरीर जड है व नाशवान है और आत्मा चेतन है और अविनाशी है। शरीर के भीतर जो आत्मा है वही उस सर्वशक्तिमान सर्वव्यापक, सर्वोत्तम परमसत्ता का अंश और वही इस ब्रहांड का संचालन कर रहा है। श्री महाराज ने दूर दराज व अन्य प्रदेशों से आये श्रद्धालुओं को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से ट्रस्ट के अध्यक्ष ओम प्रकाश अरोडा, उपाध्यक्ष महेन्द्रपाल ढल्ल, महामंत्री प्रवीन वधावन, कोषाध्यक्ष अमित वत्ता एवं ज्वाइंट सेक्रेटरी सुभाष चन्द मल्होत्रा,ट्रस्टी सुदर्शन बजाज के अलावा समस्त संगत ने गुरू महाराज का आशीर्वाद लिया।

फास्ट ट्रैक

500 ग्राम चरस सहित दो नशा तस्कर दबोचे

भारत संवाद

सहारनपुर। थाना मिजार्पुर पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले दो शातिर नशा तस्करों को गिरफ्तार कर कब्जे से 500 ग्राम अवैध चरस बरामद की है। एसएसपी के निर्देशन में मादक पदार्थों की तस्करी, बिक्री की रोकथाम व नशे के कारोबार में लिप्त शातिर अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी बेहट के निकट पर्यवेक्षण मे तथा प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार के कुशल नेतृत्व में आज को मुखबिर की सूचना पर थाना मिजार्पुर की पुलिस टीम द्वारा चैकिंग के दौरान दो नशा तस्कर इसरार पुत्र सलीम निवासी ग्राम फैजाबाद थाना मिजार्पुर जिला सहारनपुर, राशिद पुत्र सईद निवासी ग्राम फैजाबाद थाना मिजार्पुर जिला सहारनपुर को फैजाबाद से फतेहपुर की ओर जाने वाले रोड से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण इसरार, राशिद उपरोक्त के कब्जे से 250-250 ग्राम अवैध चरस बरामद हुई।गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर अभियुक्त इसरार,राशिद उपरोक्त के विरुद्ध थाना मिजार्पुर पर मु0अ0सं0 130/2025 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत किया गया। पुलिस के पूछने पर बताया कि हम लोग पुलिस से बचते बचाते चोरी छिपे उत्तराखण्ड से यह नशीला सामान सस्ते दामों में लेकर आते है और ट्रक चालको व नशा करने वाले लोगो को मंहगे दामो में बेच देते है।जिससे हमारी अच्छी खासी कमाई हो जाती है।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टी में एसआई राहुल कुमार, एचसी धर्म सिंह, योगेश कुमार शामिल रहे।

जिला कारागार में मनाया गया रक्षा बंधन का त्यौहार, बहनों ने भाइयों की कलाई पर बांधी राखी

सहारनपुर। भाई बहन के प्रेम का प्रतीक रक्षा बंधन का पर्व पूरे देश में धूमधाम से मनाया जा रहा है, वहीं जनपद के जिला कारागार में भी बहनों ने पहुंच कर बड़े धूमधाम से यह पर्व मनाया, इस बार रक्षा बंधन का पर्व जिला कारागार में बड़े उत्साह व हर्सोउल्लास के साथ मनाया गया।रक्षाबंधन के पर्व के दौरान भाई बहन के मध्य बड़ा ही उल्लास देखने को मिला। जिला कारागार के बाहर बहनों की बड़ी लंबी लाइन देखने को मिलीं।इन बहनों ने जेल में निरुद्ध अपने भाइयों के साथ मिलकर रक्षा बंधन का पर्व मनाया।बहने जेल पहुंची और अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और माथे पर तिलक कर जल्द से जल्द कारागार से निकलने की दुआ मांगी। जिला कारागार में बड़ी संख्या में बहनों ने पहुंचकर भाइयों को राखी बांधी तिलक किया और भाइयों की लंबी उम्र की कामना की। जिला कारागार में जेल अधीक्षक सत्य प्रकाश द्वारा रक्षा बंधन के पर्व पर विशेष इंतजाम किए गए थे, राखी, मिठाई और तिलक की सामग्री भी जिला कारागार की ओर से उपलब्ध कराई गई, वहीं सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी तथा चाक चैबंद थी, उन्होंने कहा ये पहल कैदियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए की गई, इसे लिए जेल में प्रशिक्षण शिविर भी चलाए जाते हैं, ताकि लोग हुनरमंद बने और आत्मनिर्भर होकर अपराध की दुनिया को अलविदा कह दें।

बहनों ने भाई की तिलक कर भाई की कलाई पर बांधा रक्षा सूत्र

भारत संवाद

सहारनपुर। भारतीय सनातन संस्कृति में भाई बहन के सबसे पवित्र एवं महत्वपूर्ण त्यौहार रक्षा बंधन पर्व आज 100 से भी ज्यादा बहनों ने आज प्राचीन सिद्ध पीठ श्री गौ देवी मंदिर गौशाला नुमाइश कैम्प सहारनपुर जाकर गौ सेवा और राष्ट्र रक्षा के संकल्प के साथ देश भक्त शेरे हिन्द विजयकान्त चैहान को तिलक पूजन आरती कर राखी बांधी।

विजयकान्त चैहान ने समस्त बहनों से राखी बंधवा कर आशीर्वाद लिया और आश्वासन देते हुए कहा कि बहन बेटियों के सम्मान स्वाभिमान की रक्षा करना हम हिन्दुस्तानीयो के खून और संस्कारों में है अपने महापुरुषों ऋषियों मुनियों के सन्देश से प्रेरणा लेकर हम सभी युवाओ को देश की हर बहन बेटी के सम्मान की रक्षा का संकल्प लेना चाहिए क्योंकि हम उन्ही महापुरुषों की संतान है जिन्होंने एक द्रोपदी के अपमान पर महाभारत जैसा भयंकर युद्ध लड़ा ओर दुष्टों को नारी के अपमान के लिए म्रत्यु दंड दिया सीता जैसी दैवी के सम्मान से खिलवाड़ पर रावण जैसा राक्षस के सम्पूर्ण कुल का वध कर दंड दिया हम भी सन्तान उन्ही की है हमे भी लव जिहाद अत्यचार उत्पीड़न से पीड़ित बहन बेटियों के सम्मान की रक्षा के लिए ओर अपने प्राण नयीछावर करने ओर दुष्टों को दंड देने के लिए सदैव तैयार रहना चाहिए। राखी बंधवाने के बाद सभी बहनों का विजयकान्त चैहान ने सभी बहनों का मान सम्मान कर प्रशाद के साथ विदा किया

चोरी की कार सहित दो शातिर चोर गिरफ्तार

भारत संवाद

सहारनपुर। थाना कोतवाली देहात पुलिस ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर, चोरों के कब्जे से एक चोरी की कार व गैस सिलेण्डर भी बरामद किया है।

एसएसपी में जनपद में अपराध नियंत्रण, लूट, चोरी आदि आपराधिक घटनाओं की रोकथाम व इन घटनाओं में संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी नगर-द्वितीय के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक कपिल देव के कुशल नेतृत्व में आज मुखबिर की सूचना पर चैकिंग के दौरान थाना कोतवाली देहात पुलिस टीम द्वारा दो शातिर चोर रागिब पुत्र नासिर निवासी मोहल्ला कस्बायान थाना बेहट जनपद सहारनपुर, रहीस पुत्र अब्दुल समद निवासी ग्राम गन्देवडा थाना फतेहपुर जनपद सहारनपुर को ग्राम सकलापुरी की ओर से निर्माणधीन बाईपास के पास से गिरफ्तार किया गया।जिनके कब्जे से हरियाणा से चोरी की गयी एक आल्टो कार रजिस्ट्रेशन न0 एचआर 02बी 6611, जिसके संबंध में थाना यमुनागर शहर,हरियाणा में मु0अ0स0 521/25 धारा 303 बीएनएस पर्जीकृत है। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध थाना कोतवाली देहात पर मु0अ0स0 340/25 धारा 317(2)/317(5) बीएनएस पंजीकृत किया गया। थाना कोतवाली देहात पर पंजीकृत मु0अ0स0 335/25 धारा 303(2)/317(2) बीएनएस से सम्बंधित एक गैस सिलेन्डर भारत कम्पनी 14.2 किलो बरामद हुआ।

जनपद भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रक्षाबन्धन पर्व

भारत संवाद

सहारनपुर। जनपद भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रक्षा बन्धन पर्व। बहनों ने अपने भाईयों की कलाईयों पर रक्षा सूत्र बांध उनकी दीघार्यु की कामना की तो वही भाईयों ने भी अपनी बहनों को रक्षा का वायदा निभाया। रक्षाबन्धन पर्व को दृष्टिगत प्रदेश सरकार द्वारा बसों में महिलाओं को निःशुल्क यात्रा करने की सुविधा भी प्रदान की गयी जिस कारण बस अड्डों व रेलवे स्टेशनों पर भारी भीड़ देखी गयी। जनपद मे भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का त्योहार रक्षाबंधन परंपरागत हर्षोउल्लास से मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाइयों पर राखी बांधी। भाइयों ने बहनों की रक्षा का संकल्प लिया। भाइयों ने उपहार भी बहनों को भेंट किए। सुबह लोगों ने स्नान आदि के बाद तैयार होकर बहनों से कलाई पर राखी बंधवाई।राखी बांधने से पहले बहनों ने भाइयों का मुंह मीठा किया और तिलक लगाया। भाइयों ने बहनों की रक्षा का संकल्प लिया। शहर से लेकर देहात तक मिठाई की दुकानें सज गईं थीं। बहनों ने मिठाई और राखी की दुकान पर खरीदारी जमकर की। सुबह बाइक से बहनें भाई के घर गईं। कहीं-कहीं भाइयों ने बहनों के घर जाकर राखी बंधवाया। पूरे दिन रक्षा का पर्व धूमधाम से मनाया गया। बच्चों में भी रक्षाबंधन का उल्लास देखने को मिला। भाइयों ने बहनों की लंबी उम्र के लिए दुआ मांगी।

16 अगस्त को होगा कृष्ण उत्सव 2025 का भव्य आयोजन

भारत संवाद

सहारनपुर। कृष्ण उत्सव 2025 की तैयारियां पूरे उत्साह के साथ अंतिम चरण में हैं। यह विशेष आयोजन 16 अगस्त को गुरुद्वारा रोड स्थित कांग्रेस कमेटी परिसर में आयोजित किया जाएगा। आयोजन स्थल को पूरी तरह से एक धार्मिक मेले के रूप में सजाने की योजना है। आयोजन के संयोजक संकल्प नैब ने बताया कि इस बार का उत्सव पिछले वर्षों की तुलना में कहीं अधिक भव्य और आकर्षक होगा।उन्होंने कहा, हमारी कोशिश है कि श्रद्धालुओं को ऐसा अनुभव मिले, जिसे वे जीवन भर याद रखें। आयोजन स्थल पर झांकियों, लाइटिंग और विशेष सजावट की व्यवस्था की जा रही है।भजन संध्या, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, कृष्ण लीलाएं और आध्यात्मिक झांकियां इस आयोजन के प्रमुख आकर्षण होंगे। साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए बैठने, जलपान, सुरक्षा और पार्किंग की व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई हैं। संकल्प नैब ने सभी नगरवासियों से अपील की है कि वे इस आयोजन में बढ़-चढ़कर भाग लें और श्रीकृष्ण के पावन जन्मोत्सव का आनंद पूरे परिवार संग उठाएं।

जेल में मना राखी का त्योहार

लोहे की सलाखों के बीच भी भाई-बहन के रिश्ते की डोर बनी अटूट

भारत संवाद

सुलतानपुर, पुरुष बंदी कारागार में रक्षाबंधन का त्योहार बड़े ही भावुक माहौल में मनाया गया। शनिवार सुबह से ही बहनें अपने भाइयों से मिलने और उनकी कलाई पर राखी बांधने के लिए जेल के बाहर पहुंच गईं। दूर-दराज से आई इन बहनों की आंखों में इंतजार की चमक साफ दिखाई दे रही थी। उनके दिल में अपने भाइयों के लिए दुआएं थीं। कुछ बहनों के हाथों में रंग-बिरंगी राखियां थीं। कुछ की थालियों में मिठाइयां सजी हुई थीं। भीड़ में खड़ी रोशनी ने मुस्कुराते हुए बताया, मैं अपने भाई के लिए राखी और मिठाई लाई हूं।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं0: पीआरवाईजे-सिग-011-2025-26 दिनांक : 07.08.2025

ई–निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता / समन्वय/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र पर **दिनांक 01.09.2025 को 12:00 बजे** तक आमन्त्रित की जाती है।

कार्य का विवरण : दूरसंचार से संबंधित निम्नलिखित कार्य [क] प्रयागराज में लोको कॉलोनी और ट्रैफिक कॉलोनी में क्वार्टरों का निर्माण [ख] प्रयागराज मंडल मे आरपीएफ बैरक और थाने का निर्माण और सुधार [ग] सूबेदारगंज में सीएसपी परिसर में भवन का विकास [घ] प्रयागराज में डीआरएम कार्यालय में सभी इंजीनियरिंग कक्षों का सुधार और [ई] केंद्रीय अस्पताल प्रयागराज का उन्नयन एवं आधुनिकीकरण - चरण-दो।

अनुमानित मूल्य (₹) : ₹ 82,79,812/-	**बिड सिक्योरीटी (₹)** : ₹ 1,65,600.00
निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹) : ₹ 0/-	**कार्य समापन की अवधि**: 12 माह
निविदा बंद होने की तिथि : 01.09.2025	

2. निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता :निविदा प्रपत्र **www.ireps.gov.in** पर निविदा खुलने की तिथि से 21 दिन पहले उपलब्ध हो जायेंगे।

3. निविदा खुलने का समय, तिथि एवं स्थान : निविदा पूर्व निर्धारित तिथि को **12.30 बजे** या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबन्धक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जाएगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जाएगी। **1415/25(DG)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. ई टी-56/विद्युत/कोचिंग-प्रया0/2025-26 दिनांक-08.08.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (कोचिंग) उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित फार्म पर E-Tender दि0 **01.09.2025** समय **15:00** बजे तक आमन्त्रित करते है। निविदा के सम्बन्ध में मुख्य सूचनायें निम्नवत् है-

निविदा सं. : ETCHG-56	**समयावधि** : 06 माह
कार्य का नाम : प्रयागराज मंडल में एलएचबी प्रकार के कोचों में एसबीसी पैनल के एचटी कम्पार्टमेंट और डिस्कनेक्टिंग और अर्थिंग डिवाइस के लिए ईपीडीएम मॉड्यूलर केबल सीलिंग सिस्टम का प्रावधान।	
कार्य की लागत (रू0 में) : Rs. 66,61,560.15	**धरोहर राशि (रू0 में)** : Rs. 1,33,200.00
टेन्डर फार्म की कीमत (रू0 में) : NIL	**निविदा का प्रकार** : Works (Open Tender)

नोटः 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर समय 15:00 बजे टेण्डर खुलने की तिथि तक उपलब्ध है। **2.** उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T. Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। **3.** निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। **4.** संलग्न किये जाने सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। **5.** निविदा सूचना को निम्नलिखित वेबसाइट पर भी देखा जा सकता है- **www.ncr.indianrailways.gov.in** **6.** किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। **7.** ईएमडी का भुगतान केवल ऑनलाइन कई बैंक की नेट, डेबिट और क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किया जाना चाहिए। **1430/25 (AS)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

राखी बंधवाने जा रहे पति-पत्नी की सड़क हादसे में मौत

अलीगढ़ में दिल्ली–कानपुर हाइवे पर हादसा, मॉर्चरी पहुंचकर बेटे ने की शिनाख्त, परिवार सदमे में

भारत संवाद

अलीगढ़ , थाना रोरावर इलाके में बहन से राखी बंधवाने जा रहे बाइक सवार भाई और उसकी पत्नी को ट्रक ने पीछे टक्कर मार दी।हादसे में बाइक सवार पति-पत्नी की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की बाद घटनास्थल पर राहगीरों की भीड़ जुट गई।पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर मोर्चरी भेज दिया। क्षतिग्रस्त बाइक और ट्रक को सड़क किनारे करवाते हुए यातायात चालू करवाया।मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। शनिवार दोपहर पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। आगरा के रहने वाले थे, बहन के यहां एटा जा रहे थे मूल रूप से जनपद आगरा के रहने वाले 45 वर्षीय प्रमोद कुमार वर्तमान में दिल्ली में रहने थे। साथ 42 वर्षीय पत्नी सुमन देवी और बेटा कुणाल भी रहता है। कुणाल ने बताया कि पिता एक कम्पनी में प्राइवेट नौकरी करते थे।उसकी बुआ की ससुराल जनपद एटा के सकीट में है। पिता बुआ से राखी बंधवाने के लिए घर से निकले थे।उनके साथ मां भी थी। उनकी बाइक अलीगढ़ के थाना रोरावर क्षेत्र के खेरेश्वर चौराहे के पास पहुंची थी। तभी पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी।टक्कर के बाद मां और पिता दोनों सड़क पर गिरकर गम्भीर रूप से घायल हो गए।मां-पिता की मौत से सदमे में हादसे की सूचना पर इलाका पुलिस मौके पर आ गई, लेकिन जब तक काफी देर हो चुकी थी। दोनों की जान जा चुकी थी। कुणाल ने बताया कि हादसे की खबर पुलिस ने उनको दी। इसके बाद वह और एटा से बुआ की ससुराल से परिजन अलीगढ़ आ गए।मोर्चरी पहुंच कर मां व पिता की शिनाख्त कर ली।सड़क हादसे में मां और पिता की एक साथ मौत की खबर से कुणाल और परिवार के सभी लोग सदमे में आ गए। कुणाल के सिर से माता-पिता का साया उठ गया। रो रोकर उसका बुरा हाल था।

उधर, बहन अपने भाई प्रमोद और भाभी की मौत की खबर के बाद बेसुद थीं। उसने सोचा भी नहीं था कि उससे राखी बंधवाने आने के दौरान यह हादसा हो जाएग।

घर गिरने से पत्नी की मौत

मलबे में दबे थे दंपति, पति का चल रहा इलाज

सुलतानपुर, कोतवाली देहात क्षेत्र के नरायनपुर मजरे बिसानी गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। शनिवार की भोर ढाई बजे पुराना ईंट का कच्चा घर ढहने से एक वृद्धा की मौत हो गई। बिसानी गांव निवासी रामप्यारे यादव (62) और उनकी पत्नी पार्वती देवी (60) रात में अपने घर में सो रहे थे।

भारत संवाद परिवार

1–संरक्षक–भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित , 2–संरक्षक–भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3–संरक्षक–भारत संवाद गजानन महतपुरकर , (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4–कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद) , जगन्नाथ तिवारी, 5–उपसंपादक (भारत संवाद) , माता प्रसाद शर्मा, 6–प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।

संपादक– अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०–9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939

(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

कैसे करें स्ट्रीम सिलेक्शन

हर विद्यार्थी पढ़ाई के बाद अच्छी सैलरी, अच्छा पे-पैकेज चाहता है। मैनेजमेंट कोर्स करने के बाद उसे अपने सपने पूरे होते दिखाई देते हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आपकी मैथ्स, कॉमर्स और इकोनॉमिक्स जैसे विषयों में रुचि हो। इसके बाद ही कॉलेज सिलेक्ट करें, क्योंकि भारत में मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट्स की बाढ़-सी आई हुई है। इसलिए कहीं भी एडमिशन से पहले उसकी विश्वसनीयता परख लें कि वह एआईसीटीई (ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन) या यूजीसी (यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमिशन) से मान्यता प्राप्त है या नहीं। फैकल्टी के बारे में फर्स्ट हैंड इंफॉर्मेशन वहां के स्टूडेंट्स से हासिल करें। उनसे इंटर्नशिप और प्लेसमेंट की जानकारी भी लें। आंख मूंदकर सिर्फ कॉलेज की वेबसाइट पर भरोसा न करें।

कैसे करें सिलेक्शन

आम तौर पर 12वीं में विद्यार्थी साइंस, कॉमर्स या आर्ट्स, जो भी स्ट्रीम सिलेक्ट करते हैं, उससे उनके आगे का करियर तय होता है। इसी आधार पर वे मेडिकल, इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस, सीए, सीएस, एमबीए, होटल मैनेजमेंट, फैशन डिजाइनिंग आदि कोर्सेज में दाखिले की तैयारी करते हैं। यहीं स्टूडेंट्स को यह बताना और समझाना जरूरी हो जाता है कि वे किस आधार पर अमुक कोर्स या कॉलेज का चयन करें।

पैशन को पहचानें

आपका पैशन क्या है? आप क्या पढ़ना चाहते हैं? किन विषयों में आपकी रुचि है? इन सब पर ध्यान देते हुए ही करियर का चुनाव करें। पैशन को पहचानने का सही समय 10वीं से 12वीं तक होता है। समय पर निर्णय लेंगे, स्ट्रैटेजी, प्लानिंग के साथ आगे बढ़ेंगे, तो ऑप्शंस की कमी नहीं रहेगी।

दूर करें कंफ्यूजन

कभी भी करियर का फैसला आखिरी समय में न लें। इससे गलतियां होने की आशंका बढ़ जाती है। अगर कंफ्यूजन है, तो अपने टीचर, पैरेंट्स या सीनियर्स से मार्गदर्शन लें। चर्चा करने से समस्याओं का हल निकल आता है।

दोस्तों की नकल नहीं

हर विद्यार्थी की रुचि और क्षमता अलग होती है। किसी को मैथ्स अच्छा लगता है, किसी को पेंटिंग में मजा आता है, तो कोई डांसर बनना चाहता है। लेकिन जरूरी नहीं कि जो दूसरे कर रहे हों, आप भी वैसा ही करें। जबरन इंजीनियरिंग या मेडिकल की तैयारी में वक्त बर्बाद न करें।

सेरिकल्चरिस्ट के तौर पर बनाएं सिल्क इंडस्ट्री में भविष्य

भारत रेशम उत्पादन में दुनिया में दूसरे स्थान पर है और उपभोक्ता के तौर पर पहले. अपेरल इंडस्ट्री की मांगों को पूरा करने के लिए देश में बड़े पैमाने पर कच्चे रेशम के उत्पादन की जरूरत बनी हुई है. हालांकि, भारत के कच्चे रेशम उत्पादन में लगातार वृद्धि देखी गयी है और वर्ष 2017-18 के 31,906 मीट्रिक टन उत्पादन की तुलना में 2023-24 में रेशम उत्पादन 38,913 मीट्रिक टन हो गया. इसके साथ ही सेरीकल्चर के जानकारों के लिए काम करने के मौके भी लगातार बढ़े और यह बेहद डिमांड वाला करियर बन गया. जानें इस कार्यक्षेत्र में मौजूद संभावनाओं के बारे में...

कच्चा रेशम बनाने के लिए रेशम के कीटों का पालन सेरीकल्चर या रेशम कीट पालन कहलाता है. सेरीकल्चर भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. यह केवल रेशम के कीड़ों के पालन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सिल्क कल्चर से संबंधित अन्य गतिविधियां, जैसे शहतूत रेशम की खेती एवं कच्चे रेशम के कोवा के बाद अपनायी जाने वाली तकनीक भी शामिल है. रेशम ऊंचे दाम में मिलनेवाला, लेकिन कम मात्रा में मौजूद एक उत्पाद है, इसलिए विकासशील देशों में रोजगार सृजन एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विदेशी मुद्रा अर्जित करने के लिए लोग इस उद्योग को तरजीह देते हैं. यह कम समय में अधिक आय का एक बेहतरीन जरिया है. भारत में घरेलू रेशम बाजार की अपनी एक सशक्त परंपरा एवं संस्कृति है. शहतूत रेशम का उत्पादन खासतौर पर कर्नाटक, तमिलनाडु, जम्मू एवं कश्मीर एवं पश्चिम बंगाल में होता है, जबकि गैर- शहतूत रेशम का उत्पादन झारखंड, छत्तीसगढ़, उड़ीसा तथा उत्तर-पूर्वी राज्यों में होता है.

कौन होते हैं सेरिकल्चरिस्ट

पौधों की पत्तियों पर रेशम के कीड़ों की खेती और पालन-पोषण से लेकर उनसे कच्चे रेशम के रेशों को निकालने तक, हर कदम में एक सेरिकल्चरिस्ट यानी रेशमविज्ञानी शामिल होता है. एक सेरिकल्चरिस्ट के काम में रेशम के कीड़ों के लिए पालन गृहों का निर्माण और रखरखाव, रेशम के कीड़ों के लिए सही पौधों की किस्म का चयन करना, रेशम के कीड़ों को लार्वा अवस्था से कोकून अवस्था तक उठाना, उपयुक्त कीटनाशकों को लागू करना, रेशम के कीड़ों से कच्चे रेशम के रेशों को निकालना और उनकी कताई करना शामिल है.सेरिकल्चरिस्ट रेशम उत्पादन से संबंधित ऐसे कार्यों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जो रेशम के कीड़ों और अन्य संबंधित प्रजातियों के प्रजनन को बढ़ाते हैं, रेशम, मोम और अन्य उत्पादों का उत्पादन करते हैं.

ऐसे बढ़ सकते हैं आगे

बारहवीं के बाद सेरीकल्चर के बैचलर डिग्री प्रोग्राम में प्रवेश ले सकते हैं. इसके लिए आपका साइंस स्ट्रीम (फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी) से होना जरूरी है. इस विषय में बैचलर डिग्री के दो विकल्प हैं- बीएससी (सेरीकल्चर) एवं बीएससी सिल्क टेक्नोलॉजी (सेरीकल्चर). इसके बाद इस विषय में मास्टर डिग्री हासिल करने एवं पीएचडी का विकल्प है. सेंट्रल सिल्क बोर्ड के तहत आनेवाले संस्थान सेंट्रल सेरीकल्चरल रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट से सेरीकल्चर में पीजीडी कोर्स कर सकते हैं.

काम करने के मौके हैं यहां

रेशम उत्पादन को सेरिकल्चरिस्ट ने एक उद्योग में बदल दिया है और अब यह देश की एक प्रमुख नकदी फसल बन गया है. यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहां सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाएं हैं. यह कार्यक्षेत्र सेरिकल्चरिस्ट, सेरीकल्चर रिसर्चर, सेरीकल्चर प्रोफेसर के तौर पर काम करने का मौका देता है.इनके लिए सरकारी संगठनों, प्राइवेट फर्म, एजेंसियों, अकादमिक संस्थानों, शोध संस्थानों में नौकरी के अवसर उपलब्ध हैं. सेरीकल्चर के पेशेवरों को रोजगार देनेवाले कुछ प्रमुख ऑर्गनाइजेशन हैं- सेंट्रल सेरीकल्चरल रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, बेहरामपुर, पश्चिम बंगाल. सेंट्रल सिल्क बोर्ड, हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट, टेक्सटाइल एवं खादी डिपार्टमेंट, इंडियन सिल्क एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल. सेरीकल्चर की पढ़ाई करने के बाद आप रेशम उत्पादक के तौर पर स्वरोजगार का विकल्प भी अपना सकते हैं.

शानदार करियर विकल्प हो सकता है पर्सनल शॉपर

प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ में संतुलन बनाते हुए अगर खुद ही शादी की शॉपिंग करनी पड़े, तो मुश्किल हो जाती है। खासकर जब आप लेटेस्ट फैशन ट्रैंड से पूरी तरह वाकिफ न हों और मन में उलझन हो कि कहीं आप आउटडेटेड न लगें! ऐसे में पर्सनल शॉपर की सेवाएं बड़ी काम आती हैं। जी हां, विदेशों में अक्सर प्रोफेशनल्स, सेलिब्रिटीज आदि पर्सनल शॉपर्स को हायर करते हैं। इधर वेडिंग प्लानर, ग्रूमिंग एक्सपर्ट के बाद अब भारत में पश्चिम का यह ट्रैंड भी लोकप्रिय हो रहा है। यानी जिनके पास समय की कमी है, वे पर्सनल शॉपर्स की सेवा ले सकते हैं। अब अगर आप भी सामान्य के बजाय कोई 'हटकर'' और क्रिएटिव जॉब करना चाहते हैं, जिसमें आर्थिक स्थिरता के साथ-साथ मजा भी आए, तो पर्सनल शॉपर एक शानदार विकल्प हो सकता है।

क्लाइंट्स की पसंद अहम

पर्सनल शॉपर को अपने क्लाइंट्स की जरूरत, पसंद-नापसंद, उनकी लाइफस्टाइल और शारीरिक बनावट का ख्याल रखते हुए खरीदारी करनी होती है। साथ ही, एक विश्वास कायम करना होता है कि वे उनकी सलाह को मानें और उनके कहे अनुसार कपड़े या एक्सेसरी खरीदें। उन्हें फैब्रिक, मटेरियल, कट्स और कलर्स की जानकारी भी रखनी होती है। तभी वे लोगों को सही सुझाव दे सकते हैं। जैसे दुल्हन की शॉपिंग के लिए एक निश्चित बजट निर्धारित होता है लेकिन मार्केट में बूटिक, कूटर स्टोर्स, डिजाइनर वेयर्स आदि इतने ऑप्शंस होते हैं कि उन्हें देखते हुए किसी का भी चकरा जाना स्वाभाविक है। ऐसे में एक पर्सनल शॉपर उन्हें सही खरीदारी के बारे में निर्णय लेने में मदद कर सकता है। ब्राइडल शॉपिंग में दुल्हन के अलावा मित्रों और रिश्तेदारों आदि के लिए भी उपहार आदि की शॉपिंग करनी होती है। इसलिए सबकी पसंद की जानकारी रखनी होती है।

क्वॉलिफिकेशन और स्किल्स

इस फील्ड में आने के लिए किसी विशेष एजुकेशनल क्वॉलिफिकेशन की दरकार नहीं होती। हालांकि फैशन डिजाइनिंग, रिटेल मैनेजमेंट, सेल्स एंड मार्केटिंग आदि में एमबीए करने से फायदा होता है। इसके अलावा, आप पर्सनल शॉपिंग में ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स भी कर सकते हैं। एक पर्सनल शॉपर को काम के दौरान पहले क्लाइंट की पृष्ठभूमि के बारे में रिसर्च करनी होती है। वे कौन-सा ब्रांड पसंद करते हैं, उनका बजट कितना है आदि बातों पर गौर करना पड़ता है। इसके लिए वह क्लाइंट के साथ ईमेल, फोन द्वारा या फिर रूबरू संपर्क बनाए रखता है। हां, आपका अच्छा श्रोता होना जरूरी है। आपके पास क्रिएटिव और इनोवेटिव आइडियाज भी होने चाहिए। एक पर्सनल शॉपर को गोल ओरिऐंटेड और सेल्फ मोटिवेटेड होना चाहिए। उसमें धैर्य, कम्युनिकेशन, सेल्स, एंटरप्रेन्योर और ऑर्गनाइजेशनल स्किल्स के साथ-साथ लचीलापन और आत्मविश्वास भी भरपूर होना चाहिए।

स्पेशलाइज्ड शॉपिंग

पर्सनल शॉपर्स गिफ्ट, क्लोदिंग, फूड, फर्नीचर, ज्वेलरी, खिलौने आदि किसी भी चीज की शॉपिंग में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। ये बड़े बिजनेस घरानों के लिए डिजाइनर क्लोदिंग, होम फर्नीशिंग्स और दूसरे आइटम्स की शॉपिंग भी करते हैं। इन दिनों कई कंपनियां अपने क्लाइंट्स को गिफ्ट देने के लिए भी पर्सनल शॉपर्स की मदद लेने लगी हैं। वहीं कई वरिष्ठ नागरिक घरेलू सामान की खरीदी के लिए इनकी सहायता ले रहे हैं। इन सबके अलावा, पसर्नल शॉपर्स शादी समारोहों, बेबी शावर (गोद भराई), जन्मदिन पार्टी, वैलेंटाइन डे, त्योहारों आदि के लिए भी शॉपिंग करते हैं।

काम के अवसर

एक आम शख्स जब पर्सनल शॉपर को हायर करने के बारे में सोचता है, तो पहला ख्याल आता है कि उनकी सेवा सिर्फ एलिट क्लास ही ले सकती है। मगर आज भारत में जिस तरह रिटेल मार्केट बढ़ रहा है, लोगों की मानसिकता बदल रही है, क्रय क्षमता बढ़ रही है, ऐसे में बहुत-से वर्किंग प्रोफेशनल्स भी पर्सनल शॉपर्स को हायर करने लगे हैं। इसके अलावा, बड़े कॉर्पोरेट्स और ब्रांडिंग एजेंसीज अवॉर्ड शोज, कॉन्फ्रेंस आदि के लिए इनकी सेवाएं ले रही हैं। वैसे आप चाहें, तो किसी बूटिक, डिपार्टमेंटल स्टोर या शॉपिंग सेंटर में भी काम कर सकते हैं या फिर खुद का बिजनेस शुरू कर सकते हैं। आम तौर पर पर्सनल शॉपर 25,000 रुपए से 1 लाख रुपए महीना कमा सकते हैं।

इन तरीकों से मार सकते हैं इंग्लिश में बाजी

कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) द्वारा केंद्र सरकार के विभिन्ना कार्यालयों में ग्रुप बी व सी के पदों पर भर्ती हेतु हर साल कंबाइंड ग्रेजुएट लेवल (सीजीएल) एग्जाम आयोजित की जाती है। इस परीक्षा में टियर-1 तथा टियर-2 होता है, जबकि इस वर्ष से इंटरव्यू समाप्त कर दिए गए हैं। टियर-1 में इंग्लिश, क्वॉन्टिटेटिव एप्टिट्यूड, लॉजिकल रीजनिंग तथा जनरल अवेयरनेस के खंड शामिल होते है। वहीं टियर-2 में इंग्लिश लैंग्वेज तथा क्वॉन्टिटेटिव एप्टिट्यूड के सेक्शन होते हैं। जाहिर है, इस परीक्षा में इंग्लिश का खास महत्व है। अगर आपकी इंग्लिश अच्छी है, तो आपको टियर-1 तथा टियर-2 दोनों में ही स्कोर करने में मदद मिलेगी।

क्या होता है इंग्लिश सेक्शन में?

एसएससी सीजीएल परीक्षा में इंग्लिश सेक्शन एलिमेंट्री स्तर का होता है। मगर यहां आपको ग्रामर के नियमों का खास ध्यान रखना होगा क्योंकि इस सेक्शन में अधिकांश प्रश्न काफी चतुराईपूर्वक पूछे जाते हैं।

टियर-1

इसमें कुल 50 प्रश्न पूछे जाते हैं और हर प्रश्न का 1 अंक होता है। इसमें रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन, क्लोज टेस्ट, एरर आइडेंटिफिकेशन, वन वर्ड एक्सप्रेशन, फ्रेज एंड ईडियम्स, सिनॉनिम्स एंड एंटॉनिम्स, फिल इन द ब्लैंक्स, मिसस्पेल्ट वर्ड्स, सेंटेंस इंप्रूवमेंट्स आदि से प्रश्न पूछे जाते हैं।

टियर-2

इस चरण में 1-1 अंक के 200 प्रश्न पूछे जाते हैं। इसमें रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन, क्लोज पैसेज, एरर आइडेंटिफिकेशन, सेंटेंस इंप्रूवमेंट, सिनॉनिम्स एंड एंटॉनिम्स, फिल इन द ब्लैंक्स, एक्टिव एंड पैसिव वॉइस, डायरेक्ट एंड इनडायरेक्ट स्पीच आदि से प्रश्न पूछे जाते हैं। हालांकि ये प्रश्न बेसिक स्तर के लगते हैं लेकिन इन्हें जरा घुमा-फिराकर पूछा जाता है। अगर आप ग्रामर के नियमों के अपवादों तथा स्पेशल रूल्स से परिचित नहीं हैं, तो आपको मुश्किल हो सकती है।

क्यों अहम है इंग्लिश

इंग्लिश लैंग्वेज एसएससी सीजीएल परीक्षा में इसलिए अहम है कि यह भर्ती प्रक्रिया के दोनों चरणों में शामिल है। यह परीक्षार्थियों के लिए इन कारणों से भी उपयोगी है -

कम समय की मांग

यह सेक्शन ज्यादा समय नहीं मांगता क्योंकि यहां या तो आपको उत्तर पता होता है या फिर नहीं पता होता। इसमें आपको कोई जोड़-घटाव नहीं करना होता। इसलिए रीजनिंग या क्वॉन्टिटेटिव एप्टिट्यूड के मुकाबले इस सेक्शन के प्रश्न हल करने में कम समय लगता है।

वेटेज अधिक

टियर-1 में इंग्लिश के 50 प्रश्नों के 50 अंक और टियर-2 में 200 प्रश्नों के 200 अंक होते हैं। इतने अधिक वेटेज के चलते जाहिर है कि अगर आप इस परीक्षा में अधिक से अधिक अंक लाना चाहते हैं, तो इंग्लिश की ओर आपको विशेष ध्यान देना ही होगा।

दूसरों की कमजोरी, आपकी ताकत

बहुत बड़ी संख्या में परीक्षार्थी इंग्लिश से डरते हैं क्योंकि उनके मन में ग्रामर को लेकर कई शंकाएं होती हैं। ऐसे में यदि आपकी इंग्लिश थोड़ी भी बेहतर है, तो आप उनसे बाजी मार सकते हैं। दूसरों की कमजोरी को आप अपनी ताकत बना सकते हैं।

प्रश्नों का दोहराव

इंग्लिश लैंग्वेज कुछ नियमों पर आधारित है और अगर ग्रामर के नियम की दृष्टि से देखा जाए, तो एरर आइडेंटिफिकेशन, सेंटेंस इंप्रूवमेंट आदि के प्रश्नों में दोहराव होता ही है। इसलिए यदि आप पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र पढ़ चुके हैं और ग्रामर के नियमों तथा उनके अपवादों से भली प्रकार परिचित हैं, तो आप इस सेक्शन में आसानी से स्कोर कर सकते हैं।

अधिक अभ्यास की जरूरत नहीं

इस सेक्शन में स्कोर करने के लिए आपको मैथ्स की तरह अभ्यास करने की जरूरत नहीं होती। कारण यह कि यहां स्पीड नहीं, ज्ञान मायने रखता है। यदि आपको भाषा का ज्ञान है, तो आपको बार-बार अभ्यास करने की जरूरत नहीं होती।

पूर्व अमेरिकी एनएसए बोले- ट्रम्प के टैरिफ का उल्टा असर

अमेरिका की बरसों पुरानी मेहनत बर्बाद हुई, भारत हमसे दूर होकर चीन-रूस के पास जा रहा

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने कहा कि ट्रम्प की नीतियों से भारत, अमेरिका से दूर होता जा रहा है। सीएनएन को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने भारत पर कुल 50% टैरिफ लगाने के फैसले को 'भारी भूल' बताया। बोल्टन ने आशंका जाहिर की है कि रूस को कमजोर करने के लिए भारत पर लगाया गया एक्स्ट्रा टैरिफ कहीं उल्टा न पड़ जाए। उन्होंने कहा कि अमेरिका, भारत को रूस और चीन से दूर रखने के लिए कई साल से कोशिश कर रहा था लेकिन अब वह कोशिश कमजोर पड़ चुकी है। पूर्व एनएसए ने कहा कि भारत पर टैरिफ लगाने का मकसद रूस को नुकसान पहुंचाना है, लेकिन नतीजा यह हो सकता है कि भारत, रूस और चीन एकजुट होकर इन टैरिफ का विरोध करें। बोल्टन बोले- दोस्त-दुश्मन पर एक जैसा टैरिफ लगाना 'गलती' जॉन बोल्टन ने पहले भी अमेरिकी अखबार द हिल में लिखा था कि व्हाइट हाउस टैरिफ और अन्य शर्तों

में चीन के प्रति भारत से ज्यादा नरमी दिखा रहा है, जो कि एक गंभीर गलती होगी। उनके मुताबिक, ह्यदोस्त और दुश्मन दोनों पर एक समान टैरिफ लगानेह्व से अमेरिका का वो भरोसा और आत्मविश्वास कमजोर हुआ है, जिसे बनाने में दशकों लगे थे, और बदले में बहुत कम आर्थिक फायदा मिला है, जबकि बड़े नुकसान का खतरा बढ़ गया है। बोल्टन ट्रम्प के पिछले कार्यकाल में अमेरिकी सरकार में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार थे। वे पिछले कुछ महीनों से ट्रम्प की नीतियों की लगातार आलोचना कर रहे हैं। उन्होंने पिछले महीने कहा था कि अमेरिकी सरकार बिजनेस और सुरक्षा के मुद्दों को अलग-अलग तरीसे से देख रही है, जबकि भारत जैसे देशों के लिए दोनों चीजें जुड़ी हुई हैं। अमेरिकी विदेश नीति विशेषज्ञ क्रिस्टोफर पैडिला ने भी चेतावनी दी कि यह टैरिफ भारत-अमेरिका संबंधों को लंबे समय तक नुकसान पहुंचा सकते हैं। भारत हमेशा अमेरिका को शक की निगाह से देखेगा और कभी भी इन टैरिफ को नहीं भूलेगा। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने शुक्रवार को दावा किया था कि टैरिफ से शेयर बाजार में जबरदस्त बढ़ोतरी हो रही है और हर दिन नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। साथ ही, सैकड़ों अरब डॉलर देश की तिजोरी में आ रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया ट्रुथ सोशल पर कहा कि अगर किसी अतिवादी वामपंथी कोर्ट ने इस वक्त टैरिफ के खिलाफ फैसला सुनाया तो इतनी बड़ी रकम और सम्मान को वापस पाना मुश्किल होगा। ट्रम्प ने चेतावनी दी कि ऐसा फैसला 1929 की तरह महामंदी ला सकता है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह तबाह हो जाएगी। ट्रम्प ने दावा किया कि वह कोर्ट सिस्टम को सबसे अच्छे से समझते हैं और इतिहास में कोई भी उनकी तरह चुनौतियों से नहीं गुजरा। वहीं, चीन ने भारत पर लगे अमेरिकी टैरिफ की निंदा की है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने गुरुवार को इसे ₹टैरिफ का दुरुपयोग₹ करार दिया। गुओ ने कहा- 'चीन साफ तौर पर टैरिफ के गलत इस्तेमाल के खिलाफ है।' उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका को तकनीकी और व्यापारिक मुद्दों का राजनीतिकरण बंद करना चाहिए। चीन का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के उस एग्जीक्यूटिव ऑर्डर के जवाब में आया, जिसमें भारत पर रूसी तेल खरीदने की वजह से 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया गया है।

ट्रम्प 15 अगस्त को अलास्का में पुतिन से मिलेंगे

यूक्रेन जंग खत्म करने पर बातचीत होगी; जेलेंस्की बोले- कब्जा करने वालों को जमीन नहीं देंगे

एजेंसी

वॉशिंगटन, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 15 अगस्त को अलास्का में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलेंगे। ट्रम्प ने शुक्रवार देर रात सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि बैठक से जुड़ी जानकारियां जल्द बताई जाएंगी। ट्रम्प पहले ही कह चुके हैं कि वह पुतिन से जल्द मिलकर यूक्रेन युद्ध खत्म करने पर बातचीत करना चाहते हैं। वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि यूक्रेनी लोग अपनी जमीन कब्जा करने वालों को नहीं देंगे। इससे पहले ट्रम्प ने कहा था कि जंग को खत्म करने के लिए कुछ

इलाकों की अदला-बदली करनी होगी। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन जंग के समाधान के लिए तैयार है, ताकि शांति आ सके। लेकिन बातचीत में यूक्रेन को शामिल किए बिना कोई भी समाधान शांति के खिलाफ ही होगा। रॉयटर्स के मुताबिक ट्रम्प इसके बाद यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ त्रिपक्षीय बातचीत भी करना चाहते हैं। वे इस बातचीत में पुतिन को भी शामिल करना चाहते हैं। अमेरिका और रूस के राष्ट्रपति के बीच आखिरी मुलाकात जून 2021 में हुई थी। उस वक्त तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और पुतिन ने जिनेवा में मुलाकात की थी। ट्रम्प के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने बुधवार को पुतिन से मुलाकात की थी। ट्रम्प ने इस बैठक को अहम बताया। रूस के राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के सलाहकार यूरी उशाकोव ने बताया था कि दोनों देशों ने यूक्रेन मुद्दे पर बातचीत की। रिपोर्ट्स के मुताबिक रूस हवाई हमले रोकने के लिए एक अस्थाई प्रस्ताव दे सकता है। यह प्रस्ताव बेलारूस के राष्ट्रपति लुकाशेंको ने पिछले हफ्ते पुतिन से मुलाकात के दौरान रखा था। हालांकि, यह पूर्ण युद्धविराम नहीं होगा, लेकिन इससे दोनों पक्षों के लिए एक राहत हो सकती है। फिलहाल रूस ने मई के बाद से यूक्रेन पर सबसे भारी हवाई हमले किए हैं। इनमें कीव में ही 72 लोगों की मौत हुई है। ट्रम्प ने इन हमलों को घिनौना बताया था। यूक्रेन भी रूसी तेल रिफाइनरियों और डिपो पर हमले जारी रखे हुए है। फरवरी 2022- रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के हमले का ऐलान करते ही यूक्रेन में रूसी टैंक धड़धड़ाते हुए घुसने लगे। तब के अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन बोले- पुतिन से बातचीत का कोई प्लान नहीं है। उन्होंने पूरी दुनिया को खतरे में डाल दिया है। रूस को यूक्रेन पर हमले की गंभीर कीमत चुकानी होगी।

चीन बोला- प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत है

भारतीय पीएम गलवान झड़प के बाद पहली बार चीन जाएंगे; एससीओ समिट में शामिल होंगे

एजेंसी

बीजिंग, चीन ने कहा है कि वह भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तियानजिन में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के लिए स्वागत करता है। यह पहला मौका होगा जब पीएम मोदी गलवान घाटी में 2020 की झड़प के बाद चीन की यात्रा करेंगे। चीन से पहले पीएम मोदी 30 अगस्त को जापान पहुंचेंगे। यहां वो भारत-जापान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। मोदी इससे पहले 2018 में वहां गए थे। बतौर प्रधानमंत्री पीएम मोदी का यह छठा चीन दौरा होगा, जो 70 सालों में किसी भी भारतीय ढट की सबसे ज्यादा चीन यात्रा है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि, 31 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाले इस शिखर सम्मेलन में 20 से अधिक देशों के नेता और 10 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख शामिल होंगे। पिछले महीने विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने चीन का दौरा किया था, जहां उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग और विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। जयशंकर ने जल संसाधन डेटा शेयर करने, व्यापार प्रतिबंधों, एलएसी पर तनाव कम करने और आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने जैसे मुद्दों पर बात की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मुलाकात ने मोदी की चीन यात्रा का रोडमैप तैयार किया था। मोदी और जिनपिंग ने आखिरी बार अक्टूबर 2024 में रूस के कजान में ब्रिक्स समिट के दौरान मुलाकात की थी। इस दौरान दोनों के बीच द्विपक्षीय

बातचीत भी हुई थी। 50 मिनट की बातचीत में पीएम मोदी ने कहा था कि 'सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। आपसी विश्वास, आपसी सम्मान और आपसी संवेदनशीलता हमारे संबंधों की नींव बनी रहनी चाहिए। पीएम मोदी की यह चीन यात्रा ऐसे समय पर हो रही है,

जब सारी दुनिया अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की टैरिफ नीतियों से जूझ रही है। ट्रम्प ने भारत पर रूसी तेल और हथियार खरीद की वजह से 25% टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। भारत, चीन के बाद दुनिया में रूसी तेल का सबसे बड़ी खरीदार है। भारत हर दिन रूस से 17.8 लाख बैरल क्रूड ऑयल खरीदता है। शी जिनपिंग आखिरी बार 2019 में भारत दौरे पर आए थे। तब दोनों नेताओं ने तमिलनाडु के महाबलीपुरम में मुलाकात थी। यह यात्रा भारत-चीन संबंधों को मजबूत करने और आपसी मतभेदों को प्रबंधित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम थी। दोनों नेताओं ने सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखने पर भी सहमति जताई थी। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) एक क्षेत्रीय अंतरराष्ट्रीय संगठन है जिसकी स्थापना 2001 में चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान ने मिलकर की थी। बाद में भारत और पाकिस्तान 2017 में इससे जुड़े। 2023 में ईरान भी इसका सदस्य बना। एससीओ का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच सुरक्षा, आर्थिक और राजनीतिक सहयोग को बढ़ाना है। संगठन आतंकवाद, उग्रवाद, ड्रग तस्करी और साइबर अपराध जैसे मुद्दों पर साझा रणनीति बनाता है।

कोरियन युवती बोली- गुरुग्राम में मेरा उत्पीड़न हो रहा

मेरे रेस्टोरेंट का बिजली-पानी कनेक्शन काटा; पुलिस बोली- मॉल को 9 लाख नहीं दिए

एजेंसी

गुरुग्राम, हरियाणा में गुरुग्राम के सबसे पॉश इलाके गोल्फ कोर्स रोड पर ग्लोबल फोयर मॉल में एक साउथ कोरियाई युवती ने उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। युवती का आरोप है कि मॉल में उसके रेस्टोरेंट को लेकर मॉल मैनेजमेंट उसे परेशान कर रहा है। उसने कहा- 'रेंट और मेंटेनेंस का भुगतान करने के बावजूद रेस्टोरेंट का पानी-बिजली कनेक्शन काट दिया गया। इस पर कार्रवाई नहीं होती है तो बुरे अनुभव के साथ मेरे देश लौटने

के अलावा कोई चारा नहीं बचेगा।' युवती ने इसके खिलाफ गुरुग्राम पुलिस को शिकायत दी है। साथ ही साउथ कोरियाई एंबेसी को चिट्ठी भी लिखी है। उसने पूरी परेशानी बताते हुए एक वीडियो भी जारी किया। इस पर पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों की मीटिंग करवा दी गई है। सोमवार को भी एक मीटिंग होगी। 14 सालों से चला रही रेस्टोरेंटः पुलिस को दी शिकायत में युवती ने लिखा है- मैं ह्यंग ली, दक्षिण कोरिया की नागरिक हूं और पिछले 14 वर्षों से भारतीय कानूनों, लाइसेंसों और सभी दायित्वों का पूरी तरह पालन करते हुए ग्लोबल फोयर मॉल में अपने रेस्टोरेंट टकरड का संचालन कर रही हूं। तीन साल से उत्पीड़न का आरोपः युवती ने लिखा- पिछले 3 वर्षों से मुझे बिल्डर और मॉल प्रबंधन की ओर से लगातार परेशान किया जा रहा है। मैं समय पर किराया और मेंटेनेंस खर्च जमा करती हूं। इसके बाद भी मेरे रेस्टोरेंट की बिजली और पानी की आपूर्ति बार-बार गैरकानूनी रूप से काटी जा रही है। जगह खाली करने को मजबूर किया जा रहाः पीड़िता ने चिट् ?ठी में लिखा- मॉल मैनेजमेंट ये हरकतें मुझे कानूनी रूप से लीज पर दी गई रेंट की जगह को खाली करने को मजबूर करने के प्रयास के तहत की जा रही हैं। पुलिस सहित संबंधित अधिकारियों से मैंने शिकायतें की हैं, इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

मां और सौतेली मां में अंतर गलत :सुप्रीम कोर्ट

बच्चे के जीवन में भूमिका देखें, एयरफोर्स ने सौतेली मां को पेंशन नहीं दी थी

एजेंसी

नई दिल्ली, भारतीय वायुसेना के सौतेली मां को पेंशन लाभ देने से इनकार करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की। कोर्ट ने कहा- पेंशन योजनाओं में मां और जैविक मां में अंतर नहीं किया जाना चाहिए। मामले की सुनवाई जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस उज्जल भुइयां और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह ने की। जस्टिस भुइयां ने कहा- पेंशन मामले में मां का जैविक मां होना जरूरी नहीं है ।साल 2010 में वायुसेना ने अपीलकर्ता का विशेष पारिवारिक पेंशन का दावा खारिज किया था। मामले की अगली सुनवाई 18 सितंबर को होगी ।बेंच का वायुसेना से सवालः अगर जन्म देने वाली मां ने बच्चे को छोड़ दिया और सालों तक दादी ने उसका पालन-पोषण किया, तो क्या बाद में लौटने पर जैविक मां को लाभ मिलेगा? वहीं, यदि सौतेली मां ने जन्म से ही बच्चे की देखभाल की हो, तो उसे लाभ क्यों न मिले ?जवाबः मौजूदा नियमों (वायुसेना पेंशन नियम, 1961) में सौतेली मां को पेंशन देने का प्रावधान नहीं है और इस मामले को पहले कभी चुनौती नहीं दी गई।

सुप्रीम कोर्ट के वकील विराग गुप्ता

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने इसके पहले पुरुषों के साथ महिला अधिकारियों की समानता के लिए अनेक आदेश पारित किए थे।

कोर्ट ने कहा- हर मामले को उसके विशिष्ट तथ्यों के आधार पर देखा जाना चाहिए और यह तय किया जाना चाहिए कि बच्चे के जीवन में मां की भूमिका वास्तव में किसने निभाई।

जजों के मुताबिक मामले के विशेष तथ्यों के अनुसार पेंशन के हर मामले का निर्धारण करके उनका सामाजिक लाभ मिलना चाहिए। इसलिए मां के दायरे में सौतेली मां को भी शामिल करना चाहिए। लेकिन वायुसेवा के वकील के वकील के मुताबिक वर्तमान कानून के अनुसार सौतेली मां को पेंशन नहीं मिल सकती। जजों ने मौखिक आदेश देकर वायु सेना को मामले में पुनर्विचार के आदेश दिए हैं। वर्तमान नियमों के अनुसार यदि वायुसेना ने पेंशन देने से इनकार कर दिया तो सौतेली मां के हक में पेंशन के लिए जजों को संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत न्यायिक आदेश पारित करना होगा।

इस मामले का प्रभाव

गुप्ता के मुताबिक, दत्तक पुत्र, लिव इन और दूसरी पत्नी के कानूनी अधिकारों के बारे में अनेक फैसले हैं। सौतेली मां को जैविक मां के समान कानूनी अधिकार देने से सरकार की अन्य पेंशन योजनाओं के दायरे का विस्तार हो सकता है, लेकिन इसके लिए संसद और सरकार को पेंशन के साथ पारिवारिक और उत्तराधिकार के कई कानूनों में बदलाव करना होगा।

दुनिया अर्थव्यवस्था नहीं भारतीय अध्यात्म को महत्व देती है : मोहन भागवत

इसलिए हम विश्वगुरु; इकोनॉमी 3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा भी हो जाए तो आश्चर्य नहीं

भागवत बोले थे- दुनिया को विविधता अपनाने वाले धर्म की जरूरत

मोहन भागवत ने 6 अगस्त को नागपुर में ही कहा था- दुनिया को उस धर्म की जरूरत है जो विविधताओं को अपनाए, जैसे कि हिंदू धर्म। उन्होंने कहा कि धर्म हमें अपनापन और विविधताओं को स्वीकार करना सिखाता है ।उन्होंने आगे कहा था- हम विविध हैं, लेकिन अलग नहीं हैं। अंतिम सत्य यह है कि हम अलग दिख सकते हैं, लेकिन वास्तव में हम एक ही हैं।'

एजेंसी

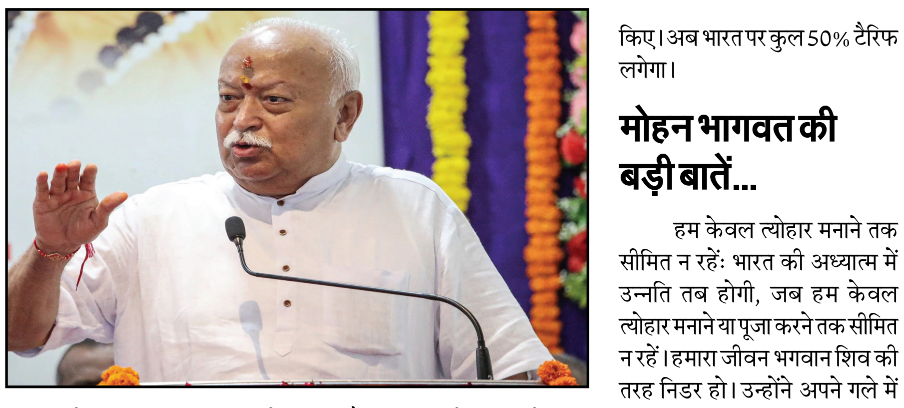

नागपुर , राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को नागपुर में कहा- दुनिया भारत को उसके अध्यात्म (आध्यात्मिक ज्ञान) के लिए महत्व देती है। इसी वजह से हमें विश्वगुरु मानती है। दुनिया को इस बात से मतलब नहीं है कि हमारी अर्थव्यवस्था कितनी तेजी से बढ़ रही है ।भागवत ने आगे कहा- भले ही हमारी इकोनॉमी 3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा हो जाए, तब भी दुनिया को उसका आश्चर्य नहीं होगा। कई देश ऐसा कर चुके हैं। अमेरिका अमीर है, चीन भी अमीर बना है और कई अमीर देश हैं। कई चीजें हैं जो दूसरे देशों ने की हैं और हम भी करेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चीफ ने कहा कि दुनिया के पास अध्यात्म और धर्म नहीं है जो हमारे पास है। दुनिया हमारे यहां इसके लिए आती है। इसमें जब हम बड़े बनते हैं तो सारी दुनिया हमको नमस्कार करती है और विश्वगुरु मानती है ।मोहन भागवत ने इकोनॉमी को लेकर ये बातें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारत पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने के ऐलान के 2 दिन बाद कही हैं। ट्रम्प ने टैरिफ से जुड़े एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन किए। अब भारत पर कुल 50% टैरिफ लगेगा।

मोहन भागवत की बड़ी बातें...

हम केवल त्योहार मनाने तक सीमित न रहेंः भारत की अध्यात्म में उन्नति तब होगी, जब हम केवल त्योहार मनाने या पूजा करने तक सीमित न रहें। हमारा जीवन भगवान शिव की तरह निडर हो। उन्होंने अपने गले में सांप धारण कर लिया था।

हमेशा अच्छाई बांटना चाहिएः भारत की महानता अच्छाई सभी को बांटने में है। हमारे पास जो अच्छाई है, उसे सभी के साथ साझा करना चाहिए। बुराई थोड़ी-बहुत होती है। उसे फैलाना नहीं चाहिए, बल्कि खुद में समेटकर खत्म करना चाहिए। अच्छाई को हमेशा बांटना चाहिए।

आरएसएस ने पहले भारत छोड़ो आंदोलन और फिर संविधान का विरोध किया: कांग्रेस

रमेश के अनुसार, नेहरू के लिए यह उनकी नौवीं गिरफ्तारी थी। उन्होंने कहा, 1921 से 1945 के बीच नेहरू ने कुल मिलाकर नौ साल जेल में बिताए। अहमदनगर जेल में ही उन्होंने अपनी अमर कृति द डिस्कवरी ऑफ इंडिया लिखी।

एजेंसी

कांग्रेस ने भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर शनिवार को दावा किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने पहले 1942 में इस आंदोलन और फिर कुछ साल बाद संविधान का विरोध किया था ।महात्मा गांधी ने 1942 में ब्रिटिश शासन को हटाने का आह्वान करते हुए आंदोलन शुरू किया था, जिसके परिणामस्वरूप औपनिवेशिक शासकों ने कांग्रेस के लगभग पूरे नेतृत्व को गिरफ्तार कर लिया था ।रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, 8 अगस्त 1942 की रात, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने ऐतिहासिक भारत छोड़ो प्रस्ताव पारित किया। इसके बाद महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन की शुरूआत करते हुए अपना मशहूर करो या मरो भाषण दिया ।उन्होंने लिखा, 9 अगस्त, 1942 की सुबह ही कांग्रेस के शीर्ष नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। गांधी जी को पुणे के आगा खान पैलेस में 6 मई 1944 तक नजरबंद रखा गया। नेहरू, पटेल, आजाद, पंत और अन्य नेताओं को अहमदनगर किले की जेल में भेजा गया, जहां वे 28 मार्च 1945 तक कैद रहे ।रमेश के अनुसार, नेहरू के लिए यह उनकी नौवीं गिरफ्तारी थी। उन्होंने कहा, 1921 से 1945 के बीच नेहरू ने कुल मिलाकर नौ साल जेल में बिताए।

राहुल गांधी की अर्बन नक्सलाइट मानसिकता :एमपी के सीएम

भोपाल प्रवास के दौरान मीडिया से बातचीत में सिंधिया ने कहा 'जिन लोगों ने भारत को मृत रूप में देखा है, चाहे वो भारत की अर्थव्यवस्था हो, न्यायपालिका हो, सेना का सम्मान हो या फिर चुनाव आयोग की निष्पक्षता वे बार-बार इन संस्थाओं को अपमानित करते आए हैं। चुनाव आयोग एक स्वायत्त संवैधानिक संस्था है, जो पारदर्शिता और निष्पक्षता के आधार पर कार्य करती है। यह संस्था हर राज्य और देशभर में फेयर और फ्री इलेक्शन सुनिश्चित करती है।'

एजेंसी

विधानसभा चुनाव में वोट चोरी का आरोप लगाया था; सिंधिया ने भी दिया जवाब

भोपाल , मध्य प्रदेश में 2023 के विधानसभा चुनाव में वोट चोरी और ₹चुनाव आयोग की निष्पक्षता₹ पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयान के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। राहुल गांधी ने हाल ही में एक जनसभा में यह आरोप लगाया कि एमपी में चुनाव निष्पक्ष नहीं हुए और वोट चोरी की घटनाएं हुईं। इस पर भाजपा नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि, राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाना उनकी 'अर्बन नक्सलाइट'

मानसिकता को दशार्ता है। उनके इस तरह के अशोभनीय बयानों से नेता प्रतिपक्ष की गरिमा धूमिल हो रही है। उन्हें इसके लिए देश से माफी मांगनी चाहिए ।वहीं, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी राहुल गांधी पर हमला बोला। उन्होंने कहा, ₹जिस कांग्रेस पार्टी का स्वयं का वोट बैंक दिवालिया हो चुका है, वही अब दूसरों पर वोट चोरी का आरोप लगा रही है ।बीजेपी नेताओं की प्रतिक्रिया के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि बीजेपी को डर है कि अगर यह सच्चाई जनता के सामने आ गई, तो उनकी पूरी कहानी बेनकाब हो जाएगी।

सेना और न्यायपालिका पर भी किया कटाक्ष

सिंधिया ने कहा, 'कांग्रेस का रवैया हमेशा से ही संस्थाओं के प्रति अविश्वास का रहा है। अगर सेना कोई वीरता का कार्य करती है तो वे सबूत मांगते हैं। न्यायपालिका पर आरोप लगाते हैं, प्रधानमंत्री को नीचा दिखाने का प्रयास करते हैं। अब चुनाव आयोग को भी बदनाम करने में लगे हैं। यह जनता सब देख रही है और उचित समय पर जवाब देगी।'

जीतू पटवारी बोले- बीजेपी नेताओं में बौखलाहट

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा फर्जी वोटिंग को लेकर किए गए